देश का Darpan News TV
FW FASTWAY
Comming Soon
काम करने के लिए सम्पर्क करें

दैनिक समाचार पत्र
देश का दर्पण न्यूज
राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व महाराष्ट्र से प्रकाशित

अब आपके मोबाइल पर डिजिटिल अखबार
प्रदेश के ताजा समाचार
अपने लेख एवं समचार भेंजे
सम्पादक : उमेन्द्र राजपूत
7014997449, 9636058201
Email : deshkadarpannews@gmail.com
web : www.deshkadarpannews.co

वर्ष-4, अंक-218 | जयपुर, सोमवार, 20 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 5.00 पेज:

टीएमसी ने कांग्रेस के साथ साजिश रची: प्रधानमंत्री मोदी

टीएमसी और कांग्रेस दोनों आदिवासी विरोधी हैं, और राष्ट्रपति चुनाव के दौरान द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ उम्मीदवार खड़े किए थे: पीएम मोदी

कोलकाता/एजेंसी
पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में आज प्रधानमंत्री मोदी राज्य के बांकुरा में जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने राज्य की सत्ताधारी दल टीएमसी पर निशाना साधते हुए कहा कि टीएमसी की 'निर्मम सरकार' के खिलाफ लोगों के गुस्से में जोश झलक रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि भाजपा महिला सशक्तिकरण, उनकी सुरक्षा और संरक्षा का पर्याय है। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि देश के विकास को सुनिश्चित करने के लिए हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक महिलाएं राजनीति में शामिल हों।

टीएमसी ने कांग्रेस के साथ साजिश रची- प्रधानमंत्री
पीएम मोदी ने आगे कहा कि 2029 में महिलाओं के लिए आरक्षण विधेयक पारित होने से रोकने के लिए टीएमसी ने कांग्रेस के साथ साजिश रची, उन्हें कांग्रेस द्वारा दंडित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीएमसी और कांग्रेस दोनों आदिवासी विरोधी हैं, और राष्ट्रपति चुनाव के दौरान द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ उम्मीदवार खड़े किए थे। टीएमसी, जो घुसपैठियों को फायदा पहुंचाने के लिए हर कानून तोड़ती है और धर्म के आधार पर आरक्षण देती है, महिला सशक्तिकरण का विरोध करती है। टीएमसी कुर्मी समुदाय की शिकायतों को नहीं सुनती, बल्कि अपने वोट बैंक को आरक्षण देना चाहती है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक अलग और सहज अंदाज झाड़ग्राम में देखने को मिला। चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद एसपीजी की भारी सुरक्षा तोड़ प्रोटोकॉल से बाहर निकल कर प्रधानमंत्री मोदी अचानक सड़क किनारे स्थित एक दुकान पर रुक गए। इस दौरान उन्होंने झालमुड़ी (चावल का भुजा जो तेल प्याज और मिर्ची मिलाकर बनाया जाता है) का स्वाद लिया, बच्चों और महिलाओं को खिलाया। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से बातचीत भी की।

'जनता टीएमसी के 'भय' को खत्म करेगी और भाजपा के 'भरोसे' को जनादेश देगी'

पीएम मोदी ने कहा कि जनता टीएमसी के 'भय' को खत्म करेगी और भाजपा के 'भरोसे' को जनादेश देगी। बांकुरा में चुनावी रैली में मोदी ने कहा कि अगर बंगाल में भाजपा सत्ता में आती है, तो वह पीएमएवाई के तहत महिलाओं को घर बनाने के लिए 1.5 लाख रुपये तक की सहायता प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'अगर बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है, तो महिलाओं को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। अगर किसी महिला के परिवार में किसी को गुर्दे की बीमारी है, तो उन्हें सरकारी अस्पतालों में मुफ्त डायलिसिस की सुविधा मिलेगी। इसका एक भी रुपया खर्च नहीं होगा। बंगाल की बहनों को हर साल 36,000 रुपये मिलेंगे। गर्भवती महिलाओं को 21,000 रुपये दिए जाएंगे। केंद्र सरकार भी बहनों को संतान प्राप्ति के बाद उनकी बेटियों की शिक्षा के लिए 5,000 रुपये देगी।

भाजपा की दो इंजन वाली सरकार बंगाल की बहनों को दोहरा जनादेश देने जा रही: मोदी

पीएम ने कहा कि कुल मिलाकर 50,000 रुपये दिए जाएंगे... मुद्रा योजना के तहत महिलाओं को स्वरोजगार के लिए 20 लाख रुपये मिलेंगे। कृषि से जुड़ी महिलाओं को सालाना 9,000 रुपये अतिरिक्त मिलेंगे... भाजपा की दो इंजन वाली सरकार बंगाल की बहनों को दोहरा जनादेश देने जा रही है।'
टीएमसी के महाजंगल राज में आदिवासी जिले पिछड़ रहे हैं। टीएमसी सिंडिकेट ने आदिवासियों की जमीनों पर कब्जा कर लिया है। टीएमसी ने बंगाल के किसानों को हर कदम पर धोखा दिया है। हम आलू किसानों की दुर्दशा देख रहे हैं।

'टीएमसी के गुंडों को आत्मसमर्पण करने का आखिरी मौका'
जनसभा में पीएम मोदी ने कहा कि मैं टीएमसी के गुंडों को चुनाव से पहले पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने का आखिरी मौका देता हूं, क्योंकि 4 मई को परिणाम आने के बाद किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने इस दौरान कहा कि इस साल के बंगाल चुनाव ऐतिहासिक होंगे ।

लोग भाजपा पर करते है भरोसा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

पुरुलिया : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में विजय संकल्प सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं आमतौर पर चुनाव में क्या नतीजे आएंगे, यह बोलता नहीं हूं लेकिन इस बार जो भी मिलता है, वो कहता है कि इस बार भाजपा सरकार पक्की है। यह सब सुनने के बाद मैं कह रहा हूं कि इस बार भाजपा भारी बहुमत से सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्य त्रिपुरा में दशकों तक वामपंथी दलों का शासन रहा। वहां के लोगों ने भाजपा पर भरोसा जताया। असम में कांग्रेस ने वर्षों तक शासन किया, फिर भी लोगों ने भाजपा पर भरोसा किया।
इसका मतलब यह है कि जब भी भय और भ्रष्टाचार चरम पर पहुंचते हैं, लोग भाजपा पर भरोसा करते हैं और उसे चुनते हैं। हम बंगाल में भी यही देख रहे हैं। बंगाल के लोगों ने अपना मन बना लिया है, इसलिए मैं कहता हूं कि भय को त्यागें, विश्वास को अपनाएं। उन्होंने कहा कि टीएमसी के महाजंगलराज में आदिवासी जिले पिछड़ रहे हैं। सड़क, बिजली, पानी, स्कूल, अस्पताल... सब कुछ बेहाल है।

आदिवासियों की जमीन पर टीएमसी का सिंडिकेट कब्जा: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

आदिवासियों की जमीन पर आदिवासियों का कब्जा नहीं है। आदिवासियों की जमीन पर टीएमसी का सिंडिकेट कब्जा करके बैठ गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों को डबल इंजन सरकार का डबल फायदा मिलेगा, यह मोदी की गारंटी है। बंगाल भाजपा ने धान का समर्थन मूल्य 3,100 रुपए करने की घोषणा की है। साथ ही बंगाल में भाजपा सरकार बनने पर पीएम किसान के तहत मिलने वाले 6,000 की जगह 9,000 रुपए दिए जाएंगे। मैं आपको भरोसा देता हूं कि यहां भाजपा सरकार बनने के बाद किसान हित में केंद्र सरकार की हर योजना तेजी से लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि जब ओडिशा में पहली बार हमारी सरकार बनी, तो हमारे पहले मुख्यमंत्री आदिवासी समुदाय से थे। असम में भी ऐसा ही हुआ। भाजपा को एक आदिवासी बेटी को देश का राष्ट्रपति बनाने का अवसर मिला। भाजपा आदिवासी समुदायों के लिए बहुत काम कर रही है।

इंडी गठबंधन के पाप को नारी शक्ति कभी नहीं करेगी माफ: सीएम योगी

लखनऊ/एजेंसी
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक पारित नहीं होने देने पर विपक्ष पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन द्वारा किया गया यह कृत्य न केवल नारी सम्मान के खिलाफ है, बल्कि अक्षम्य पाप है, जिसके लिए देश की नारी शक्ति उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। विधेयक गिरने के बाद विपक्षी दलों द्वारा जिस प्रकार जश्न मनाया गया और गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियां की गईं, उसने भारतीय इतिहास के उस पीड़ादायक प्रसंग की याद दिला दी, जब भरी सभा में द्रौपदी का चीरहरण हुआ था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कांग्रेस और इंडी गठबंधन के कृत्यों के प्रति उत्तर प्रदेश की नारी शक्ति के मन में जो आक्रोश है, उस आक्रोश में पूरा एनडीए एकजुट होकर आधी आबादी के साथ खड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सदन में वोटिंग के दौरान कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी, डीएमके का जो दृश्य रहा, वह दृश्य पूरी तरह से भरी सभा में 'द्रौपदी के चीरहरण' जैसा था। मुख्यमंत्री ने स्टेट गेस्ट हाउस कांड की याद दिलाते हुए कहा कि देख सपाई बिटिया घबराई। इंडी गठबंधन प्रोगेसिव सोच के खिलाफ है। ट्रिपल तलाक के खिलाफ बनाए गए कानून का भी कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी, डीएमके और इंडी गठबंधन के जितने भी अन्य सहयोगी हैं, इन सबने विरोध किया था।
इंडी गठबंधन को आधी आबादी से माफी मांगनी चाहिए। योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी संविधान की दुहाई देती है लेकिन इनका आचरण बाबा साहेब की भावनाओं के प्रतिकूल है।

होर्मुज पर ईरान की सख्ती, 'भाग्य लक्ष्मी' समेत दो भारतीय जहाजों को लौटना पड़ा वापस

नई दिल्ली/तेहरान/एजेंसी
स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बढ़ते तनाव के बीच भारतीय जहाजों को रोके जाने का मामला सामने आया है। ईरान की नौसेना ने 'भाग्य लक्ष्मी' समेत दो भारतीय टैंकरों को आगे बढ़ने से रोक दिया, जिसके बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा। जानकारी के अनुसार, 'भाग्य लक्ष्मी' नाम का भारतीय झंडे वाला टैंकर जब होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहा था, तब ईरानी नौसेना ने उसे अनुमति देने से इनकार कर दिया। जहाज के क्रू ने रेडियो के जरिए संपर्क कर रास्ता देने की अपील की, लेकिन उन्हें तुरंत वापस लौटने के लिए कहा गया।
एक वीडियो में क्रू मेंबर को यह कहते सुना गया कि 'हम साफ-साफ सुन रहे हैं', जबकि जवाब में ईरानी नौसेना ने कहा कि जहाज तुरंत लौट जाए।

दूसरे जहाज से भी आई मदद की पुकार: इसी दौरान 'सैनमार हेराल्ड' नाम के एक अन्य तेल टैंकर से भी संकट का संदेश मिला। जहाज के एक सदस्य ने बताया कि पहले उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति दी गई थी, लेकिन बाद में अचानक गोलीबारी शुरू हो गई और उन्हें वापस लौटने को कहा गया। सूत्रों के मुताबिक, दोनों भारतीय जहाजों पर ईरानी गनबोट्स ने फायरिंग की, हालांकि इस घटना में किसी को चोट नहीं आई और जहाजों को कोई नुकसान नहीं हुआ।

होर्मुज से गुजरने की अनुमति नहीं : इस्लामिक रिवोल्यूशनरी

रिपोर्ट के अनुसार, कई जहाजों को रेडियो संदेश के जरिए बताया गया कि उन्हें होर्मुज से गुजरने की अनुमति नहीं है, जबकि कुछ जहाजों ने गोलीबारी की भी सूचना दी।
ईरान की चेतावनी: ईरान के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने कहा कि भारत और ईरान के संबंध मजबूत हैं और इस मामले का समाधान निकाला जाएगा। हालांकि उन्होंने इस घटना की जानकारी नहीं होने की बात भी कही। सेना ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य अब सख्त नियंत्रण में है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने चेतावनी दी कि इस क्षेत्र में आने वाले जहाजों को दुश्मन के समर्थन के रूप में देखा जा सकता है और उन पर कार्रवाई की जा सकती है।

शिक्षा बोर्ड का पाठ्यक्रम न पढ़ाने वाले मदरसे होंगे बंद: धामी

हरिद्वार/एजेंसी
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार में एक कार्यक्रम के दौरान मदरसा शिक्षा को लेकर बड़ा और सख्त संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य में संचालित सभी मदरसों में अब उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद के निर्धारित पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा। जो मदरसे इस पाठ्यक्रम को नहीं अपनाएंगे, उन्हें बंद कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने शीघ्र ही राज्य का मदरसा बोर्ड भंग कर नया प्राधिकरण लागू करने बात कही है। मुख्यमंत्री धामी रविवार को यहां अखण्ड परम धाम में स्वामी परमानंद गिरि के संन्यास दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्षों से संचालित मदरसा बोर्ड को भंग कर दिया गया है। अब उसकी जगह उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया गया है। इसके तहत सभी मदरसों को प्राधिकरण से मान्यता लेना अनिवार्य होगा और उत्तराखंड बोर्ड से संबद्धता भी जरूरी होगी। उन्होंने कहा कि राज्य में 1 जुलाई 2026 से बोर्ड का पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा और जो मदरसे इस पाठ्यक्रम को नहीं अपनाएंगे, उन्हें बंद कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य सभी बच्चों को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है, जिसमें आधुनिक विषय भी शामिल हों। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा और सुगमता पर विशेष ध्यान दिया गया है। पिछले अनुभवों के आधार पर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया गया है। महिला आरक्षण के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी नेतृत्व की केंद्र सरकार की ओर से संसद में लाए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध कर विपक्ष ने महिलाओं के अधिकारों को नुकसान पहुंचाया है।

विरुधुनगर : पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोट, 18 लोगों की मौत

विरुधुनगर/एजेंसी
तमिलनाडु के जिला विरुधुनगर के कट्टनारपट्टी में रविवार दोपहर को एक पटाखा फैक्टरी में आग लगने से 18 मजदूरों की मौत होने की खबर है, लेकिन प्रशासन ने मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं की है। इस हादसे में छह लोग घायल हुए हैं। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है। इस बीच मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने घटना में कई लोगों की मौत पर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की है। पुलिस के अनुसार कट्टनारपट्टी में दोपहर में मजदूरों के काम करने के दौरान एक पटाखा फैक्टरी में भीषण

विस्फोट के बाद आग लग गई, जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस व दमकलकर्मियों का दल मौके पर पहुंचा और बचाव व राहत कार्य शुरू किया। इस हादसे में वहां काम कर रहे 18 मजदूरों की मौत होने की खबर है। इसके अलावा छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पशिचम बंगाल के लोग इस बार ममता बनर्जी को सबक सिखाएंगे: नितिन नवीन

नई दिल्ली/एजेंसी
दक्षिण दिनाजपुर। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने दक्षिण दिनाजपुर जिले के बालुरघाट में एक रोड शो किया। वह बालुरघाट विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार विद्युत कुमार रॉय के समर्थन में मंगलपुर चौराहे से थाना चौराहे तक रोड शो किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रदेश की सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में एक गठबंधन सक्रीय है, हम इसे 'एंटी-वुमन अलायंस' कहते हैं। जिससे महिलाओं को उनके अधिकार मिलते उस बिल को

तृणमूल, कांग्रेस, डीएमके और समाजवादी पार्टी ने रोक दिया है। उन्होंने महिलाओं को उनके अधिकारों से दूर रखा है। पश्चिम बंगाल का हर इंसान महिलाओं के इस अपमान का बदला लेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष सीमाओं के सीमांकन का बहाना दे रहे हैं, लेकिन वह सीमांकन उनके राज में हुआ था।
उन्हें अपने ही कानूनों पर भरोसा नहीं है। एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद ममता दीदी ने महिला आरक्षण का विरोध किया है। पश्चिम बंगाल की महिलाएं उन्हें सबक सिखाएंगी। भविष्य में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होकर रहेगा।

पहलगाम हमले की बरसी से पहले कश्मीर में सुरक्षा बढ़ी

पहलगाम: पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले कश्मीर भर के टूरिस्ट स्पॉट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सभी सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे पहलगाम हमले की बरसी पर टूरिस्ट स्पॉट्स के आस-पास, किसी भी संभावित आतंकी हमले को लेकर सतर्क रहें। पहलगाम आने वाले टूरिस्टों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। हर सर्विस प्रोवाइडर की जांच-पड़ताल की गई है। उन्हें रजिस्टर्ड किया है। उन्हें यूनीक दफकोड दिया गया है। इसमें व्यक्ति की निजी जानकारी और दूसरी डिटेल्स हैं। दरअसल, पिछले साल 22 अप्रैल को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने पहलगाम की बायसरन वैली में 26 लोगों को गोली मारकर हत्या कर दी थी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश को हटाने की तैयारी में विपक्ष

नई दिल्ली/एजेंसी
मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्ष एक बार फिर कोशिश में जुटा है। सूत्रों के अनुसार, कई विपक्षी दलों के नेता आपस में बातचीत कर रहे हैं। करीब पांच सीनियर लीडर एक नए नोटिस का मसौदा तैयार करने पर काम कर रहे हैं, ताकि हटाने की कार्यवाही शुरू की जा सके। इससे पहले मार्च में विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में नोटिस दिया था।
हालांकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इन नोटिसों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोप उन्हें हटाने के लिए आवश्यक उच्च संवैधानिक मानदंडों को पूरा नहीं करते।

विपक्ष ने 200 हस्ताक्षर हासिल करने का लक्ष्य रखा
नए नोटिस में विपक्ष कम से कम 200 सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है। इसकी बड़ी वजह हाल ही में लोकसभा में गिरा महिला आरक्षण संशोधन बिल है। लोकसभा में शुक्रवार को संविधान में 131वां संशोधन बिल वोटिंग के बाद गिर गया। बिल के खिलाफ 230 सांसदों ने वोट डाला था।

नियम के अनुसार 100 सांसदों के दस्तखत जरूरी
लोकसभा में उएउ को हटाने के प्रस्ताव के लिए कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। राज्यसभा में इसके लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं।

कानून के अनुसार प्रस्ताव मंजूर होने पर ही जांच समिति
मुख्य चुनाव आयुक्त को उसी तरीके से हटाया जा सकता है जैसे सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाया जाता है। अन्य चुनाव आयुक्तों को हटाने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिश जरूरी होती है।
जजेज (इन्क्वायरी) एक्ट 1968 के अनुसार, अगर दोनों सदनों में एक ही दिन नोटिस दिया जाता है, तो जांच समिति तभी बनेगी जब दोनों सदनों में प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाएगा।
इसके बाद लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा चेयरमैन मिलकर एक संयुक्त जांच समिति बनाएंगे।

महिला आरक्षण का बिल का विरोध बेहद दुखद है : कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी

आसनसोल, 19 अप्रैल । केन्द्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने महिला आरक्षण बिल को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि संसद में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण देने वाले बिल को लेकर देशभर में खुशी का माहौल था और उन्होंने खुद संकल्प लिया था कि बिल पास होने पर इस मुद्दे को लेकर जनता के बीच जाएंगे। लेकिन विपक्षी दलों ने इसका विरोध कर महिलाओं को उनके अधिकार से वंचित कर दिया। केन्द्रीय मंत्री आसनसोल उत्तर धधका स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला कार्यालय में रविवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष देवतनु भट्टाचार्य, मीडिया प्रभारी मदन चौबे, जिला कमेटी सदस्य आशा शर्मा समेत अन्य मौजूद रहे। संवाददाता सम्मेलन के पूर्व केंद्रीय कोयला मंत्री ने रानीगंज में कार्यकर्ता सम्मेलन को भी संबोधित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (एसपी), राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और अन्य सहयोगी दलों ने मिलकर इस बिल का विरोध किया और देश की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार लगातार महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए काम कर रही है, लेकिन विपक्ष केवल विरोध की राजनीति कर रहा है।

रेड्डी ने कहा कि संसद में महिलाओं के आरक्षण पर वर्षों से चर्चा होती रही है और कई बार बिल पेश भी किया

गया, लेकिन हर बार विपक्ष के विरोध के कारण इसे लागू नहीं किया जा सका। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि एक महिला नेतृत्व वाली पार्टी होने के बावजूद तृणमूल ने महिलाओं के हित में कदम नहीं उठाया। उन्होंने जनसंख्या और संसदीय सीटों के मुद्दे पर भी बात करते हुए कहा कि जब देश की आबादी 56 करोड़ थी, तब संसद की सीटें निर्धारित की गई थीं, जबकि आज देश की जनसंख्या 146 करोड़ से अधिक हो चुकी है। ऐसे में डिलिमिटेशन के जरिए सीटों की संख्या बढ़ाना आवश्यक है ताकि नए नेतृत्व को राजनीति में आने का अवसर मिल सके।

पश्चिम बंगाल की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि एक समय यह राज्य देश का औद्योगिक और आर्थिक मॉडल था, लेकिन आज यहां उद्योग बंद हो रहे हैं, रोजगार के अवसर घट रहे हैं और कानून-व्यवस्था की स्थिति भी चिंता का विषय बनी हुई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में घुसपैठ, माफिया और राजनीतिक हिंसा के कारण विकास बाधित हुआ है। रेड्डी ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में तृणमूल सरकार को जनता मौका दे चुकी है, लेकिन अपेक्षित विकास नहीं हुआ। उन्होंने लोगों से अपील की कि राज्य के विकास और बेहतर भविष्य के लिए भाजपा को समर्थन दें और डबल इंजन सरकारह्व बनाएं।

कोयला क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर बोलते हुए उन्होंने ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड (ईसीएल)श्रमिकों के बकाया वेतन का मामला संज्ञान में लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को समय पर वेतन मिलना चाहिए और प्रबंधन को इसके लिए निर्देश दिए जाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि कोयला तस्करी और माफिया गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल को विकास की राह पर वापस लाने के लिए ठोस निर्णय लेने की जरूरत है और इसके लिए जनता का सहयोग बेहद जरूरी है।

ममता बनर्जी ने भाजपा पर लगाया तृणमूल कार्यकताओं को डराने का आरोप

हुगली, 19 अप्रैल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को हुगली जिले के तारकेश्वर स्थित विवेकानंद सेवा केंद्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित चुनावी जनसभा से भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। इस जनसभा में तारकेश्वर के उम्मीदवार रामेंदु सिंहराय, हरिपाल की उम्मीदवार करबी मान्ना और सिंगूर के उम्मीदवार बेचाराम मान्ना भी मौजूद रहे। तीनों विधानसभा क्षेत्रों के तृणमूल उम्मीदवारों के समर्थन में यह संयुक्त सभा आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी के कार्यकताओं को डराया-धमकाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो लोग तृणमूल कांग्रेस के लिए काम कर रहे हैं, उन्हें भाजपा की ओर से भय दिखाया जा रहा है। महिला आरक्षण विधेयक पर केंद्र सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि यह वास्तव में महिलाओं के अधिकारों से जुड़ा विधेयक नहीं, बल्कि परिसीमन से संबंधित एक चाल है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव से पहले जनता को गुमराह करने के लिए इस तरह के कदम उठा रही है। इसके साथ ही उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की बढ़ती सक्रियता पर सवाल उठाए। ममता बनर्जी ने कहा कि आखिर रोज-रोज ईडी की छापेमारी क्यों हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा इन केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर राजनीतिक विरोधियों को डराने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि बंगाल की जनता किसी भी तरह के दबाव में नहीं आएगी और इसका जवाब हिंसा से नहीं, बल्कि मतदान के जरिए देगी।

तृणमूल का अर्थ है तोलाबाजी, तानाशाही और तुष्टीकरण : जेपी नड्डा

कूचबिहार, 19 अप्रैल । पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच रविवार को कूचबिहार के शीतलकूची में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने प्रदेश की सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस सरकार की आलोचना कहा है कि तृणमूल का अर्थ है तोलाबाजी, तानाशाही (अत्याचार) और तुष्टीकरण। बंगाल में ममता सरकार ने आम आदमी को मुसीबत में डाल दिया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब भी, अगर कोई अपने घर के लिए दीवार बनाना चाहता है, तो तृणमूल सिंडिकेट को इसके लिए भुगतान करना होगा। बंगाल की लड़की ऋतु प्रामाणिक, जो अपना छोटा सा घर बना रही थी, उसे एक लाख रुपये देने के लिए मजबूर किया गया। जब तक पैसे नहीं दिये गए तब तक मजदूर भी उनके घर पर काम करने नहीं आए। आखिरकार उन्होंने अपने गहने बेच दिए और अपने हिस्से का भुगतान किया, तभी वे अपना घर बनाने में सक्षम हुईं।

उन्होंने कहा कि तृणमूल का अर्थ है तोलाबाजी, तानाशाही (अत्याचार) और तुष्टीकरण। घर बनाने के लिए लोगों को पहले सिंडिकेट को रिश्वत देनी होती है। ऐसी सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया जाना चाहिए। नड्डा ने आगे कहा, मेरी बात सुनो, टीएमसी के गुंडों, 5 मई के बाद आपके दिन खत्म हो जाएगा। टीएमसी के गुंडों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी और हम राम राज्य की ओर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, ममता सरकार का उत्तर बंगाल के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया है। ममता सरकार नहीं चाहती कि उत्तर बंगाल का विकास हो। यहां विकास बार-बार रुका हुआ है। यहां के लोगों का शोषण किया गया है, और यहां तक कि चाय बागान भी संकट में है। चाय के उत्पादन में लगभग 15 प्रतिशत की गिरावट आई है। लगभग 80 प्रतिशत चाय बागान या तो बंद हो गए हैं या कमजोर हो गए हैं।

त्रिपुरा के सीएम मानिक साहा की जनसभा नवग्राम में, बोले - तृणमूल को विदाई दें

मुर्शिदाबाद, 19 अप्रैल। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार के मद्देनजर त्रिपुरा के मुख्यमंत्री मानिक साहा रविवार को मुर्शिदाबाद पहुंचे। जिले के नवग्राम विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार दिलीप साहा के समर्थन में आयोजित विजय संकल्प सभा में उन्होंने भाग लिया। नवग्राम के भोलाडांगा फुटबॉल मैदान में आयोजित इस सभा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए त्रिपुरा के मुख्यमंत्री ने कहा कि नवग्राम दे रहा है पुकार, भाजपा की हो जीत इस बार। उन्होंने कहा कि आज पश्चिम बंगाल के नवग्राम विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार दिलीप साहा के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता बदलाव चाहती है, नवग्राम से इसकी शुरूआत होगी और भाजपा की जीत तय है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि बंगाल से अत्याचारी तृणमूल सरकार को विदाई देकर भाजपा के नेतृत्व में नई सरकार बनाने का समय आ गया है।

पश्चिम बंगाल के लोग इस बार ममता को सबक सिखाएंगे : नितिन नवीन

दक्षिण दिनाजपुर, 19 अप्रैल। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने दक्षिण दिनाजपुर जिले के बालुरघाट में एक रोड शो किया। वह बालुरघाट विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार विद्युत कुमार रॉय के समर्थन में मंगलपुर चौराहे से थाना चौराहे तक रोड शो किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रदेश की सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में एक गठबंधन सक्रीय है, हम इसे 'एंटी-वुमन अलायंस' कहते हैं।

कोलकाता पुलिस के डीसीपी शांतनु सिंह विश्वास के घर ईडी का छापा, बेहाला के कारोबारी पर भी कार्रवाई

कोलकाता, 19 अप्रैल । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले महानगर कोलकाता में केंद्रीय जांच एजेंसियों की सक्रियता तेज हो गई है। रविवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता पुलिस के उप पुलिस आयुक्त शांतनु सिंह विश्वास के बालिगंज स्थित फर्न रोड आवास पर छापेमारी की। अधिकारियों की टीम सुबह-सुबह वहां पहुंची और घर के भीतर तलाशी अभियान शुरू किया।

सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई बालिगंज के चर्चित सोना पप्पु प्रकरण से जुड़ी बताई जा रही है। शांतनु सिंह विश्वास पहले कालीघाट थाने के प्रभारी रह चुके हैं। इसी मामले में इससे पहले एक भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी (आईपीएस) को भी पूछताछ के

लिए बुलाया गया था। अब सीधे उप पुलिस आयुक्त के आवास पर तलाशी से हलचल बढ़ गई है।

सोना पप्पु को पुलिस अब तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है। हालांकि, उसे सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से सामने आते और सीधा प्रसारण करते देखा गया है। इस कारण जांच एजेंसियों की भूमिका और पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल उठे हैं। इसी बीच, बेहाला में कारोबारी जय कामदार के घर पर भी प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा। स्थानीय लोगों के मुताबिक, वह मुख्य रूप से निर्माण और भू-विकास कारोबार से जुड़े हैं। इससे पहले भी उनके ठिकाने पर तलाशी हो चुकी है। बताया जाता है कि सोना पप्पु मामले की जांच के दौरान उनका नाम सामने आया था। पिछली कार्रवाई में वहां से बड़ी मात्रा में नकद राशि बरामद की गई थी। सूत्रों के अनुसार, जय कामदार को पूछताछ के लिए दो बार बुलाया गया था, लेकिन वह दोनों बार उपस्थित नहीं हुए। इसके बाद रविवार को फिर से उनके घर पर कार्रवाई की गई। बताया गया कि केंद्रीय दल सुबह सिजियो परिसर से रवाना हुआ था और उसके साथ केंद्रीय बलों के जवान भी मौजूद थे। बेहाला में अधिकारियों को घर के बाहर कुछ समय इंतजार करना पड़ा। आरोप है कि बार-बार बुलाने के बावजूद दरवाजा नहीं खोला गया।

ईडी की तलाशी के बीच सियासी आरोप, डीसीपी के बेटे ने कहा— ह्यशुभेंदु अधिकारी की चाल

कोलकाता, 19 अप्रैल । कोलकाता के डिप्टी पुलिस कमिश्नर शांतनु सिंह विश्वास के बालीगंज स्थित घर पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने रविवार तड़के तलाशी अभियान चलाया। दोपहर होते-होते ईडी की टीम शांतनु सिंह विश्वास के बेटे को साथ लेकर पार्क स्ट्रीट की ओर रवाना हुई। माना जा रहा है कि यह कार्रवाई कथित सोना पप्पू मामले को लेकर की जा रही है। गौरतलब है कि राज्य में 2026 विधानसभा चुनाव शुरू होने में अब केवल तीन दिन शेष हैं। ऐसे समय में ईडी की इस कार्रवाई से राजनीतिक हलकों में काफी हलचल मच गई है। इस बीच, दोपहर में शांतनु सिंह विश्वास के बेटे ने मीडिया से बातचीत करते हुए तलाशी को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया

कि केंद्रीय एजेंसियों की यह कार्रवाई शुभेंदु अधिकारी की चाल है।

जानकारी के अनुसार, ईडी की टीम उन्हें पार्क स्ट्रीट के उस स्थान पर लेकर गई जहां उनका एक कोचिंग सेंटर है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक सामान्य जांच है। मैं और मेरे पिता घर पर ही थे। कुछ दस्तावेजों की जांच की जा रही है। अधिकारियों ने मेरे पिता से भी बात की है, सब ठीक है। बताया जा रहा है कि ईडी की टीम उन्हें पार्क स्ट्रीट के ऑकलैंड रोड स्थित स्थान पर लेकर गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पिता डीसीपी शांतनु सिंह विश्वास और वे स्वयं जांच में पूरी तरह सहयोग कर रहे हैं। इधर, तलाशी के बीच शांतनु सिंह विश्वास के फर्न रोड स्थित घर पर उनके वकील प्रसेनजीत नाग पहुंचे।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, हम यह जानने आए हैं कि तलाशी क्यों की जा रही है। किस मामले में और किस आरोप में यह कार्रवाई हो रही है, यह जानना हमारा अधिकार है। एक वकील के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी है। फिलहाल उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है।

न्यूटाउन में बोरी से निकली सैकड़ों आधार कार्ड, इलाके में हड़कंप

कोलकाता, 19 अप्रैल । चुनावी माहौल के बीच पश्चिम बंगाल के न्यूटाउन में आधार कार्ड मिलने की घटना से सनसनी फैल गई। नाले के किनारे से 400 से अधिक आधार कार्ड बरामद हुए हैं। रविवार दोपहर स्थानीय लोगों ने नाले के किनारे एक संदिग्ध बोरी पड़ी देखी। बोरी खोलते ही सभी हैरान रह गए— उसमें बड़ी संख्या में आधार कार्ड भरे हुए थे। दावा किया जा रहा है कि बरामद हुए सभी कार्ड स्थानीय निवासियों के हैं। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। रविवार दोपहर शुलनगुड़ी दक्षिणपाड़ा इलाके में कुछ बच्चे नाले के किनारे खेल रहे थे। सबसे पहले उन्हीं की नजर वहां पड़ी बोरी पर गई। खबर पाकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और देखा कि बोरी में बड़ी मात्रा

में आधार कार्ड भरे हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकांश कार्डों पर शुलनगुड़ी दक्षिणपाड़ा का ही पता लिखा है, यानी ये कार्ड उसी इलाके के लोगों के हैं।

एक स्थानीय तृणमूल नेता ने आरोप लगाया कि बरामद हुए अधिकांश आधार कार्ड तृणमूल समर्थकों के हैं। उनका दावा है कि राजनीतिक दुश्मनी के कारण स्थानीय भाजपा समर्थित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) ने यह काम किया है।

तृणमूल नेता का आरोप है कि वोटर सूची में नाम दर्ज कराने के लिए कई लोगों ने अपने दस्तावेज शुलनगुड़ी दक्षिणपाड़ा के बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पास जमा किए थे। भाजपा समर्थित बीएलओ ने चुन-चुन कर तृणमूल समर्थकों के कार्ड इकट्ठा किए और उन्हें नाले के किनारे फेंक दिया।

गौरतलब है कि वोटर सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया को लेकर राज्य में पहले से ही तनाव का माहौल है। इसी बीच आधार कार्ड जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज नाले के किनारे मिलने की घटना ने इलाके में नई चिंता पैदा कर दी है।

इस मामले में तृणमूल की ओर से भाजपा समर्थित बूथ लेवल अधिकारी पर आरोप लगाए गए हैं, हालांकि भाजपा की तरफ से अभी तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

मंतेश्वर की सभा से ममता बनर्जी का भाजपा पर तंज, पार्टी के नेताओं को दिया कड़ा संदेश

पूर्व बर्दवान, 19 अप्रैल । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को पूर्व बर्दवान जिले के मंतेश्वर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। यह सभा मंतेश्वर विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार सिद्दिकुल्ला चौधरी के समर्थन में आयोजित की गई थी। सभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हाल ही में लोकसभा में भाजपा की ह्वनाक कट गईह्व और अब वह अपनी छवि बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा महिलाओं के अधिकारों की बात तो करती है, लेकिन उसके इरादे साफ नहीं हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि 2023 में पारित महिला आरक्षण विधेयक अब तक लागू क्यों नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा बाहर से आए प्रवासी मजदूरों को उनके धार्मिक ग्रंथों की शपथ दिलाकर अपने पक्ष में वोट देने के लिए प्रभावित कर रही है। साथ ही ममता बनर्जी ने पार्टी के भीतर असंतोष को लेकर भी कड़ा संदेश दिया। उन्होंने बिना नाम लिए तृणमूल नेता अहमद हुसैन शेख को निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग इतने साहसी हो गए हैं कि वे उनकी सभा में भी शामिल नहीं हो रहे। उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग पार्टी के लिए काम नहीं करेंगे या भाजपा की मदद करेंगे, उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि मंतेश्वर में उम्मीदवार सिद्दिकुल्ला चौधरी और स्थानीय नेता अहमद हुसैन शेख के बीच मतभेद की खबरें सामने आई हैं, जिसके चलते कुछ कार्यकर्ता चुनाव प्रचार से दूर रहे।

उत्तरपाड़ा में गंगा में डूबा माध्यमिक परीक्षार्थी, नवद्वीप में दो कॉलेज छात्र लापता

हुगली, 19 अप्रैल । गंगा में नहाने के दौरान एक हादसे में हुगली जिले के उत्तरपाड़ा में एक माध्यमिक परीक्षार्थी की डूबने से मौत हो गई, जबकि नदिया जिले के नवद्वीप में दो कॉलेज छात्र लापता हो गए। दोनों ही घटनाओं से इलाके में शोक और चिंता का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, उत्तरपाड़ा के पंचाननतला घाट पर यह हादसा हुआ। मृतक की पहचान अंकुश दत्ता के रूप में हुई है, जो स्थानीय अमरेंद्र विद्यालय का माध्यमिक परीक्षार्थी था। रविवार को वह अपने दोस्तों के साथ घूमने निकला था। इसी दौरान चार दोस्त पंचाननतला घाट पहुंचे और गंगा में नहाने का निर्णय लिया। बताया गया है कि अंकुश और एक अन्य किशोर गंगा में उतरे, जबकि बाकी दो दोस्त घाट की सीढ़ियों पर ही मौजूद थे। कुछ ही देर में दोनों किशोर गहरे पानी में चले गए और मदद के लिए चिल्लाने लगे। वहां मौजूद एक स्थानीय व्यक्ति ने उन्हें बचाने के लिए गमछा बढ़ाया। एक किशोर किसी तरह गमछा पकड़कर बाहर निकल आया, लेकिन अंकुश पानी के तेज बहाव में बह गया। घटना के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। परिजनों के अनुसार, काफी देर तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची और न ही समय पर गोताखोरों को उतारा गया। आशंका जताई जा रही है कि तेज धारा में बहने से अंकुश की मौत हो गई। इधर, नदिया जिले के नवद्वीप में भी दो कॉलेज छात्र गंगा में नहाने के दौरान लापता हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वे भी नदी में स्नान करने उतरे थे, जिसके बाद उनका कोई पता नहीं चल पाया है। प्रशासन की ओर से खोजबीन जारी है।

कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने भाजपा व तृणमूल पर बोला हमला, मालदा में किया रोड शो

मालदा, 19 अप्रैल । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी क्रम में रविवार को मालतीपुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार मौसम नूर के समर्थन में एक भव्य चुनावी प्रचार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने शिरकत की। महाराष्ट्र से पश्चिम बंगाल पहुंचे इमरान प्रतापगढ़ी ने जलालपुर हाई स्कूल मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। उनके आगमन पर कांग्रेस कार्यकताओं और समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। मंच पर जिला कांग्रेस नेतृत्व और उम्मीदवार मौसम नूर ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने संबोधन में इमरान प्रतापगढ़ी ने तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दोनों दलों की नीतियों की आलोचना करते हुए जनता से अपील की कि वे आगामी चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मौसम नूर को भारी मतों से विजयी बनाएं। जनसभा के बाद इमरान प्रतापगढ़ी ने मालतीपुर क्षेत्र में एक भव्य रोड शो भी किया। इस दौरान सड़कों पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, समर्थक और स्थानीय लोग उमड़ पड़े। लोगों में उन्हें देखने और अपना समर्थन जताने के लिए खासा उत्साह देखने को मिला।

बंगाल में प्रोटोकॉल तोड़कर झालमुड़ी की दुकान पर पहुंचे पीएम मोदी, बच्चों को भी खिलाया

कोलकाता, 19 अप्रैल । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक अलग और सहज अंदाज झाड़ग्राम में देखने को मिला। चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद एसपीजी की भारी सुरक्षा तोड़ प्रोटोकॉल से बाहर निकल कर प्रधानमंत्री मोदी अचानक सड़क किनारे स्थित एक दुकान पर रुक गए। इस दौरान उन्होंने झालमुड़ी (चावल का भुजा जो तेल प्याज और मिर्ची मिलाकर बनाया जाता है) का स्वाद लिया, बच्चों और महिलाओं को खिलाया। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से बातचीत भी की। प्रधानमंत्री के अचानक रुकने से सुरक्षा व्यवस्था में तैनात कर्मी भी कुछ क्षणों के लिए चौंक गए, जबकि स्थानीय लोगों में उत्साह की लहर दौड़ गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल में कई चुनावी सभाओं को संबोधित करने पहुंचे थे। झाड़ग्राम में जनसभा समाप्त करने के बाद वह अपने हेलीकॉप्टर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में सड़क किनारे लगी एक झालमुड़ी की दुकान देखकर उन्होंने अपना काफिला रुकवा दिया। जैसे ही प्रधानमंत्री का काफिला रुका, मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा

हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रधानमंत्री वाहन से उतरकर सीधे दुकान पर पहुंचे और दुकानदार से झालमुड़ी बनाने को कहा। दुकानदार ने मुरमुरा, मसाला, मिर्च, तेल और अचार मिलाकर झालमुड़ी तैयार की। प्रधानमंत्री ने पहले वहां मौजूद कुछ बच्चों को खिलाया, उसके बाद स्वयं भी झालमुड़ी खाई।

इस दौरान आसपास मौजूद लोग जय श्री राम और नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाते रहे। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें प्रधानमंत्री लोगों के बीच सहज भाव से दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वह स्थानीय महिलाओं से बातचीत करते और हालचाल पूछते भी नजर आए। महिलाओं ने भी प्रधानमंत्री से मिलकर खुशी जताई। बताया जा रहा है कि जिस दुकान पर प्रधानमंत्री रुके, वह बिहार के गया जिले के विक्रम साह की है। विक्रम साह पिछले 12 वर्षों से झाड़ग्राम में झालमुड़ी की दुकान चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के आने की कोई पूर्व सूचना नहीं थी। अचानक काफिला रुका और प्रधानमंत्री उनकी दुकान पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने उनसे अच्छी झालमुड़ी बनाने को कहा, जिसके बाद उन्होंने मसालेदार झालमुड़ी तैयार की। विक्रम साह ने बताया कि झालमुड़ी खाने के बाद प्रधानमंत्री ने उसकी तारीफ करते हुए कहा कि स्वाद बहुत अच्छा है। दुकान पर मौजूद लोगों के लिए यह पल यादगार बन गया।

राजस्थान पेट्रो जोन में डाउनस्ट्रीम उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए त्रिपक्षीय एमओयू

जयपुर, 19 अप्रेल। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर बालोतरा स्थित राजस्थान पेट्रो जोन में औद्योगिक इकाइयों को डाउनस्ट्रीम उत्पादों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एचपीसीएल रिफाइनरी, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग तथा उद्योगों के बीच 18 त्रिपक्षीय समझौते (एमओयू) हुए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 21 अप्रेल को पचपदरा रिफाइनरी का उद्घाटन कर देश और प्रदेश को ऐतिहासिक सौगात देंगे। राजस्थान रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स न केवल ईंधन उत्पादन का केंद्र बनेगा, बल्कि यह प्रदेश में पेट्रोकेमिकल आधारित औद्योगिक क्रांति की धुरी भी साबित होगा। उन्होंने कहा कि रिफाइनरी से निकलने वाले डाउनस्ट्रीम उत्पादों पर आधारित सहायक उद्योगों की स्थापना के लिए राजस्थान पेट्रो जोन (आरपीजेड) विकसित किया गया है। इससे उद्यमी सीधे रिफाइनरी से कच्चा माल प्राप्त कर सकेंगे, जिससे उनकी लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी। इसमें प्लास्टिक, फार्मा और ऑटोमोबाइल क्षेत्र के उत्पादों का निर्माण होगा।

45 औद्योगिक भूखंड आवंटित, प्लग एंड प्ले फैसिलिटी भी विकसित

मुख्यमंत्री ने कहा कि रिफाइनरी से संबंधित अन्य उद्योगों की स्थापना कर अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। रिफाइनरी के समीप बोरावास-कलावा में राजस्थान पेट्रो जोन (आरपीजेड) 1022 हैक्टेयर में विकसित किया जा रहा है। प्रथम चरण में लगभग 30 हैक्टेयर भूमि विकसित की जा चुकी है। वहीं, 86 औद्योगिक भूखण्डों में से 45 भूखण्डों का आवंटन भी किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त 8 प्लग एंड प्ले फैक्ट्री शेड्स का भी निर्माण किया गया है, ताकि निवेशक अपनी मशीनरी इंस्टॉल करें और तुरंत कार्य शुरू कर दें।

उन्होंने कहा कि राजस्थान पेट्रो जोन के द्वितीय चरण में 213 हैक्टेयर में 257 भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध होंगे, जिनके लिये ए कैटेगरी की पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त की जा चुकी है। इस क्षेत्र में 500 से 162000 वर्ग मीटर के कुल 8 भूखंड भी नियोजित है। इसमें से लगभग 87 हैक्टेयर पर 68 करोड़ रुपए की लागत से आधारभूत सुविधाओं जैसे सड़क, बिजली, स्ट्रीट लाइट और साइन बोर्ड इत्यादि के विकास कार्य हेतु स्वीकृति दी जा चुकी है।

विस्तार के लिए लगभग 780 हैक्टेयर भूमि और आवंटित, जेरला में भी बनेगा औद्योगिक क्षेत्र

श्री शर्मा ने कहा कि इस जोन का तृतीय चरण 780 हैक्टेयर में होगा, जिसमें से 447 हैक्टेयर के लिये कैटेगरी ए की पर्यावरण स्वीकृति लेने हेतु आवेदन किया जा चुका है।

इसमें रामनगर (थोब), सिंधियों की ढाणी, वेदरलाई, बोरावास विस्तार और खेमाबाबा नगर में लगभग 780 हैक्टेयर भूमि का आवंटन रीको के पक्ष में किया गया है। यहां भी आधारभूत सुविधाएं विकसित कर भूखंड आवंटन प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके साथ ही जेरला में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि रिफाइनरी से मुख्य ईंधन के अतिरिक्त भारी मात्रा में डाउनस्ट्रीम पेट्रोकेमिकल उत्पाद निकलेंगे, जो आगामी औद्योगिक इकाइयों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले कच्चे माल का कार्य करेंगे। पॉलीप्रोपाइलीन, पॉलीथीन (एचडीपीई/एलएलडीपीई), बेंजीन, टोलुइन और ब्यूटाडाईन जैसे उप-उत्पादों के आधार पर क्षेत्र में व्यापक सहायक उद्योग स्थापित होंगे। इन कच्चे माल के प्रसंस्करण से घरेलू और औद्योगिक उपयोग के विविध उत्पाद जैसे प्लास्टिक फर्नीचर, कृषि पाइप, पैकेजिंग फिल्म्स, ऑटोमोबाइल के डैशबोर्ड एवं बंपर, सिंथेटिक फाइबर, मेडिकल सीरिंज और पेंट-डिटर्जेंट जैसे रसायनों का बड़े पैमाने पर उत्पादन संभव होगा। यह ईको-सिस्टम न केवल रिफाइनरी की उपयोगिता बढ़ाएगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर वैल्यू-एडेड उत्पादों के निर्माण से राजस्थान को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करेगा।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी

जयपुर, 19 अप्रेल। देश की संसद में 22 सितम्बर, 2023 को नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला आरक्षण बिल पारित हुआ। उक्त समय इण्डिया गठबंधन ने माँग रखी थी कि इस बिल में केवल 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं के लिए हो और यह परिसीमन तथा जनगणना से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्र के नाम सम्बोधन कर और लोकसभा में जिस प्रकार अपना वक्तव्य दे रहे हैं और निराशा व्यक्त कर रहे है, उन्होंने कभी किसी से बिल पर समर्थन नहीं माँगा था। कांग्रेस पार्टी ने पहले 1996 में महिला आरक्षण विधेयक संसद में पेश किया था और उसके पश्चात 2010 में यूपीए सरकार ने महिला आरक्षण बिल राज्यसभा में पारित किया था। उक्त समय भी भारतीय जनता पार्टी और इनके सहयोगी दलों ने महिला आरक्षण बिल का विरोध किया था। उक्त विचार राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में व्यक्त किए।

प्रदेशाध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि वर्ष 2023 में एनडीए सरकार महिला आरक्षण बिल अपनी शर्तों के साथ लेकर आयी, उक्त समय इन शर्तों से सहमत ना होते हुए भी कांग्रेस पार्टी और समस्त विपक्षी दलों ने मातृशक्ति के सशक्तिकरण हेतु इस बिल को सर्वसम्मति से पारित करवाया। प्रधानमंत्री ने यह कानून पारित होने के पश्चात 22 सितम्बर, 2023 को भाजपा कार्यालय जाकर जश्न भी मनाया तथा भाषण दिया कि देश में महिला आरक्षण लागू हो गया यह इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा। 2023 में बिल पारित होने के पश्चात राजनीतिक लाभ लिए और 2024 के चुनावों में पुनः सत्ता में आ गए। जनगणना 2021 में होनी थी वह भाजपा सरकार ने नहीं करवायी और तो और महिला आरक्षण बिल पारित होने के तीन वर्ष तक भाजपा की केन्द्र सरकार ने महिला आरक्षण के कानून को लागू करने के लिए गजट नोटिफिकेशन नहीं निकाला लेकिन पश्चिम बंगाल, तमिलनाडू के राज्यों की विधानसभा के चलते चुनाव में षड्यंत्र के तहत संसद का सत्र बुला लिया। दो षड्यंत्र भाजपा ने रचे पहला कि देश की संसद की सीटों का मनमानी से ऐसा परिसीमन करें जिससे भाजपा को लम्बे समय तक सत्ता में बने रहने का लाभ मिले, दूसरा षड्यंत्र महिला आरक्षण के नाम पर अधिक से अधिक राजनीतिक लाभ चुनावों में लेने का था। भारतीय जनता पार्टी ने संशोधन बिल डिलीमिटेशन के लिए पेश किया और वो भी उपलब्ध संसाधन जो कि 2011 की जनगणना के आंकड़े है उसके आधार पर भाजपा सरकार को परिसीमन करने की छूट मिल जाए, बहुमत के आधार पर संसद से ही परिसीमन हो जाए। यह भाजपा की राजनैतिक साजिश थी उन्हें जवाब देना चाहिए कि यदि ऐसा संशोधन आज लाये तो इन शर्तों को 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित करते समय अधिनियम का हिस्सा क्यों नहीं बनाया गया जबकि 2011 की जनगणना के आंकड़े उक्त समय भी सरकार के पास उपलब्ध थे।

मेड़ता सिटी प्रेस क्लब में कुलदीप व्यास का सम्मान, बोले– निष्पक्ष पत्रकारिता ही लोकतंत्र की असली ताकत

मेड़ता सिटी।(लक्ष्मीनारायण वैष्णव) /शहर की सिविल लाइन स्थित प्रेस क्लब कार्यालय में रविवार को वरिष्ठ पत्रकार एवं दैनिक भास्कर के बिहार, बंगाल और झारखंड के स्टेट हेड कुलदीप व्यास के सम्मान में अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रेस क्लब पदाधिकारियों एवं शहर के गणमान्य नागरिकों ने व्यास का माला व साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रेस क्लब के संरक्षक वीरेंद्र वर्मा, पुखराज टाक, अध्यक्ष नंदू श्री मंत्री, सचिव मोहन मेहरिया, संरक्षक सुशील दिवाकर एवं कोषाध्यक्ष एम. टेलर , मनीष सोनी सहित अन्य सदस्यों ने व्यास का सम्मान किया। कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों और बुद्धिजीवियों ने भी उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके अनुभवों से सीख लेने की बात कही।

अपने संबोधन में कुलदीप व्यास ने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता कई चुनौतियों के दौर से गुजर रही है, लेकिन ऐसे समय में पत्रकारों को निर्भीक, निष्पक्ष और जिम्मेदार बनकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सच्ची और निष्पक्ष पत्रकारिता ही लोकतंत्र को मजबूत बनाती है। साथ ही उन्होंने पत्रकारिता के बदलते स्वरूप, जिम्मेदारियों और समाज में उसकी अहम भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में लक्ष्मी नारायण वैष्णव, जितेंद्र शर्मा, लोक अभियोजक अभिमन्यु शर्मा, शरद टाक, इलियास खान, अरविंद गोलियां, महेश सेन, ट्रैफिक इंचार्ज प्रहलाद राम सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र गहलोत ने किया।

पोद्दार बिजनेस स्कूल में क्राफ्टशाला का उद्घाटन, कारीगरों के कौशल विकास को मिलेगा बढ़ावा

जयपुर, 18 अप्रैल।
आज शनिवार को सीतापुरा स्थित पोद्दार बिजनेस स्कूल में भारत सरकार के उपक्रम हैंडीक्राफ्ट एंड कारपेट सेक्टर स्किल काउंसिल के अंतर्गत क्राफ्टशाला का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के.एल. रमेश (चेयरमैन, हैंडीक्राफ्ट एंड कारपेट सेक्टर स्किल काउंसिल) तथा विशिष्ट अतिथि गिरीश कुमार अग्रवाल (बोर्ड डायरेक्टर, एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट्स - EPCH) एवं लेखराज माहेश्वरी (पूर्व चेयरमैन, EPCH) उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसमें पोद्दार संस्थान के चेयरमैन डॉ. आनंद पोद्दार, वाइस चेयरपर्सन रूपल पोद्दार सहित सभी अतिथियों ने सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर बताया गया कि क्राफ्टशाला का मुख्य उद्देश्य हस्तशिल्प से जुड़े कारीगरों की रचनात्मकता को बढ़ावा देना, उनके कौशल का विकास करना तथा उन्हें रोजगारोन्मुखी बनाना है। इसके साथ ही यह पहल दस्तकारों के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। क्राफ्टशाला के माध्यम से राजस्थान के कारीगरों को इको-फ्रेंडली प्रिंटिंग सहित विभिन्न आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।

डॉ. आनंद पोद्दार (चेयरमैन, पोद्दार संस्थान) ने अपने संबोधन में कहा कि क्राफ्टशाला जैसी पहल न केवल कारीगरों के कौशल को निखारेगी, बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में भी सहायक सिद्ध होगी। हमारा प्रयास है कि पारंपरिक कला को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर युवाओं और कारीगरों के लिए नए अवसर तैयार किए जाएं।

मुख्य अतिथि के.एल. रमेश ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की हस्तशिल्प परंपरा अत्यंत समृद्ध है और इसे आगे बढ़ाने के लिए कौशल विकास अत्यंत आवश्यक है। क्राफ्टशाला जैसे केंद्र कारीगरों को नई तकनीक, डिजाइन और बाजार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

खेल अकादमी निर्माण में गड़बड़ी पर सख्ती: औचक निरीक्षण के बाद काम रुकवाया

सुरज वर्मा

शाहपुरा क्षेत्र के माताजी का खेड़ा रोड पर निमार्णाधीन खेल अकादमी में कथित अनियमितताओं को लेकर रविवार को बड़ा एक्शन देखने को मिला। डॉ. लालाराम बैरवा ने मौके पर औचक निरीक्षण कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए और तत्काल प्रभाव से काम रुकवाने के निर्देश दिए।

यह खेल अकादमी राजस्थान शहरी पेयजल सीवरेज एवं अवसंरचना निगम लिमिटेड (रूडसिको) के माध्यम से तैयार की जा रही है। निरीक्षण के दौरान विधायक ने पाया कि निर्माण में उपयोग हो रही सामग्री मानकों के अनुरूप नहीं है और कार्य की गुणवत्ता भी बेहद निम्न स्तर की है। इस पर उन्होंने मौके पर ही नाराजगी जताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगाई।विधायक ने तत्काल जिला प्रशासन को भी स्थिति से अवगत कराया और उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि खेल अकादमी बच्चों के भविष्य को संवारने के उद्देश्य से बनाई जा रही है, लेकिन घटिया निर्माण इस उद्देश्य के साथ सीधा समझौता है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि दोषी ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही आगामी निर्माण कार्य केवल तय गुणवत्ता मानकों के अनुसार ही करवाया जाए।

डॉ. बैरवा ने दो टूक कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही या भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जनहित के हर मुद्दे पर सख्त निगरानी जारी रहेगी।

कनेछन कलां हत्याकांड: 24 घंटे में मुख्य आरोपी गिरफ्तार,आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा

सुरज वर्मा

शाहपुरा शहर के फूलिया कलां थाना क्षेत्र के कनेछन कलां गांव में शुक्रवार को हुआ आपसी विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया, जिसमें एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

थानाधिकारी राजकुमार नायक के अनुसार, कनेछन कलां गांव में दो पक्षों के बीच पुराने विवाद को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो जल्द ही हिंसक झगड़े में बदल गई। इस दौरान प्रेमचंद पुत्र रामलाल तेली गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए ले जाया गया, लेकिन उन्होंने दम तोड़ दिया।

घटना के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए प्रकरण संख्या 87/2026 दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान मुख्य आरोपी गणेश उर्फ पप्पू पिता लालचंद तेली, निवासी कनेछन कलां को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

पुलिस फिलहाल आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी बारीकी से जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में यदि अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है, तो उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ब्राह्मण युवा सभा ने मजदूरों व बच्चों के साथ मनाया भगवान परशुराम जन्मोत्सव, दिया सेवा का संदेश

कैथल (कृष्ण प्रजापति): भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर जहां एक ओर पूरे प्रदेश में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, वहीं हरियाणा ब्राह्मण युवा सभा कैथल ने इस पर्व को अनोखे और सराहनीय तरीके से मनाते हुए समाज सेवा का संदेश दिया। सभा की टीम ने कैथल में निमार्णाधीन भगवान परशुराम मेडिकल कॉलेज में पहुंचकर वहां कार्यरत मजदूरों व उनके छोटे बच्चों के साथ जन्मोत्सव मनाया। इस दौरान टीम ने मजदूरों व बच्चों को फल व मिठाइयां वितरित कीं और उनके साथ खुशियां साझा कीं।

इस मौके पर ब्राह्मण युवा सभा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मोहित शर्मा फतेहपुर ने कहा कि जिन श्रमिकों के परिश्रम से मेडिकल कॉलेज का निर्माण हो रहा है, उनका सम्मान करना समाज का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि ऐसे अवसरों पर हमें जरूरतमंदों के बीच जाकर सेवा भाव से कार्य करना चाहिए।

प्रदेश मीडिया प्रभारी संदीप करोड़ा ने कहा कि भगवान परशुराम के नाम पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण होना ब्राह्मण समाज और भगवान परशुराम के प्रति गहरे सम्मान का प्रतीक है। वहीं जिलाध्यक्ष कार्तिक मूंदड़ी ने कहा कि हमें महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज में सेवा, सहयोग और भाईचारे की भावना को आगे बढ़ाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान मजदूरों और बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी।

शेखावाटी के संस्थापक महाराव शेखाजी का 538 वां निर्वाण दिवस समारोह हुआ आयोजित

दांतारामगढ़ । महाराव शेखाजी का 538 वां निर्वाण दिवस समारोह रलावता जीण माता के महाराव शेखाजी स्मारक स्थल पर राजपूत सभा तहसील दांतारामगढ़ के तत्वाधान में आयोजित हुआ जिसमें अनेक जनप्रतिनिधियों व राजपूत समाज के कई प्रबुद्ध गणमान्य लोग उपस्थित हुए। जानकारी देते हुए राजपूत सभा तहसील दांतारामगढ़ के राजेंद्र? सिंह भारीजा ने बताया कि महाराव शेखाजी के निर्वाण दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह,

भाजपा प्रत्याशी गजानंद कुमावत, प्रधान गेंद कंवर, प्रभु सिंह गोगावास, सुरेश शर्मा सहित अनेक स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान महाराव शेखाजी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए और कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने कहा कि शेखाजी ने पूरा जीवन अपनी प्रजा को समर्पित कर दिया।

12 वर्ष की अल्पायु में ही वह शासन की बागडोर संभलने लगे थे और उन्होंने अपने जीवन में करीब 52 युद्ध लड़े। सभी युद्ध उन्होंने राज्य विस्तार और धन प्राप्ति के लिए नही लड़कर बल्कि जनता को राहत देने के लिए जनता के आग्रह पर ही लड़े। नारी सम्मान और प्रजा की रक्षा उनके परम धर्म था। इसी कारण महाराज शेखाजी इतिहास में अमर हो गए। समारोह को संबोधित करते हुये भाजपा नेता गजानन्द कुमावत ने कहा कि महाराव शेखाजी जैसे महान बलिदानी इतिहास पुरूष को एक समाज ही बल्कि 36 कोम मिलकर श्रद्धांजली दे। इस दौरान अनेक वक्ताओं ने महाराव शेखाजी के व्यक्तित्व व आधुनिक परिपेक्ष्य पर अपने विचार प्रगट किये।

भू माफिया द्वारा जे डी ए, व पुलिस थाना करघनी से मिलीभगत से संयुक्त खातेदारी की कृषि भूमि पर कब्जा कर बसाई जा रही अवैध कॉलोनी

देश का दर्पण न्यूज

जयपुर, जयपुर में झोटवाड़ा क्षेत्र के नांगल जैसा बोहरा में श्याम सुंदर शर्मा की संयुक्त खातेदारी की कृषि भूमि पर भूमाफियों की नजर पड़ते ही राजहंस गृह निर्माण समिति की मेहरबानी से पुलिस थाना करघनी व जे डी ए से मिली भगत कर श्याम सुंदर शर्मा की जमीन पर अवैध कॉलोनी बसाई जा रही है।

दबंगई इतनी है कि माननीय न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश होने के बाद भी निर्माण कार्य जारी है।

श्यामसुंदर शर्मा द्वारा पुलिसथाना करघनी में एफ आई आर दर्ज करवाने के बाद भी पुलिस अधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाही न कर अंतिम रिपोर्ट पेश की जिस पर बनवारी लाल शर्मा द्वारा दिनांक 2/9/2024 को माननीय न्यायालय में उक्त पुलिस अनुसंधान के विरुद्ध प्रार्थना पत्र पेश किया गया माननीय न्यायालय द्वारा दिनांक 4/9/2024 को पुलिस थाना करघनी को अनुसंधान के आदेश दिए पुलिस थाना अधिकारियों की मिलीभगत से इस अनुसंधान के लगभग 18 माह तक लटकाए रखा लटकाए रखने का कारण यह है कि जमीन पर कब्जा करने वाले श्रीनाथ, मुरारी लाला, धानलाला, जगदीश मांडया,बीरबल आदि है इनमें जगदीश व बीरबल दोनों राजस्थान पुलिस में कार्यरत है इस वजह से पुलिस कोई कार्यवाही नहीं कर रही।

रायला से उदलपुरा मार्ग क्षतिग्रस्त, राहगीरों को भारी परेशानी:,70 साल बाद भी निर्माण कार्य शुरू न होने पर ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

सुरज वर्मा

भीलवाडा जिले में क्षतिग्रस्त सड़क रायला से उदलपुरा मार्ग राहगीरों के लिए बना परेशानी।70 साल बाद भी इस सड़क का निर्माण नहीं होने से ग्रामीणों को पेरशानी का सामना करना पड़ रहा है रायला से उदलपुरा मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू न होने पर ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। रायला से ब्यावर को जोड़ने वाला रास्ता गहरे गड्ढों से भरा है।रायला, हाऊसिंग बोर्ड, उदलपुरा,जगह-जगह गहरे गड्ढों से भरा है। सड़क की खराब हालत के कारण भारी वाहनों के गुजरने पर धूल के गुबार उठते हैं। इससे कई बार दोपहिया वाहन सवार गिरकर चोटिल हो चुके हैं।रायला से उदलपुरा की मात्र 7 किलोमीटर की दूरी तय करने में वाहन चालकों को एक घंटे से अधिक का समय लग रहा है। क्षेत्रीय विधायक , लालाराम बैरवा,सांसद दामोदरअग्रवाल को इस सड़क मार्ग की चौड़ाई बढ़ाने और निर्माण कार्य शुरू करने के संबंध में कई बार ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं, लेकिन अभी तक कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। क्षेत्र के ग्रामीण इस सड़क का शीघ्र निर्माण चाहते हैं ताकि उन्हें सुगम और सुरक्षित यात्रा की सुविधा मिल सके।

कांग्रेस की महिला विरोधी सोच के खिलाफ भाजपा की जन आक्रोश महिला पदयात्रा 20 को:– राखी राठौड़

जयपुर, 19 अप्रैल 2026। भारतीय जनता पार्टी की ओर से नारी शक्ति के स्वाभिमान के सम्मान और उनके अधिकारों की रक्षा के संकल्प के साथ 20 अप्रैल सोमवार को प्रातः 10 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय से ह्लजन आक्रोश महिला पदयात्राह्व रवाना की जाएगी। इसमें प्रदेशभर से बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं बहनें भाग लेंगी। यह पदयात्रा नारी सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण के समर्थन में एक सशक्त जन-आवाज के रूप में आयोजित की जा रही है।

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी सदैव महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्ध रही है। संसद एवं विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने हेतु लाए गए संविधान संशोधन के माध्यम से भाजपा ने नारी शक्ति को मुख्यधारा में सशक्त भागीदारी देने का ऐतिहासिक कार्य किया है। दुर्भाग्यवश, कांग्रेस एवं उसके सहयोगी दलों द्वारा इस महत्वपूर्ण संशोधन का समर्थन नहीं करना नारी शक्ति के सम्मान के प्रति उनकी उदासीनता और विरोधाभासी सोच को दर्शाता है। इसी के विरोध में यह जन आक्रोश महिला पदयात्रा आयोजित की जा रही है, ताकि महिलाओं के अधिकारों के प्रति असंवेदनशीलता के खिलाफ आमजन को जागरूक किया जा सके।

ब्राह्मण समाज खैरथल ने धूमधाम से मनाया परशुराम जन्मोत्सव

खैरथल संवाददाता अमित शर्मा

खैरथल ब्राह्मण समाज खैरथल द्वारा रविवार को भगवान परशुराम जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मातौर रोड परशुराम भवन में मनाया गया खैरथल ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष राम सिंह शर्मा ने बताया कि शहर के मातोर रोड स्थित परशुराम भवन में रविवार को अक्षय तृतीया पर्व पर रविवार प्रातः 8:15 बजे पंडित पुरुषोत्तम शर्मा ने हवन पूजन करवा कर हवन संपन्न करवाया दोपहर सवा 12:00 बजे भंडारा का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग मौजूद रहे एवं भंडारे में समाज के लोगों ने बढ़ चढ़कर प्रसादी ग्रहण की इस अवसर पर खैरथल ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष रामसिंह शर्मा, प्रेम कौशिक, वेदप्रकाश कौशिक, युवा अध्यक्ष आकाश त्रिवेदी, समाजसेवी अंकित लाटा, राजेश जोशी, अमित शर्मा, राकेश शर्मा, देवेंद्र वत्स, छाजूराम शर्मा, ओमप्रकाश जोशी, विष्णुदत्त शर्मा, केशव शर्मा, गणेश शर्मा, राजेश मिश्रा, दिनेश कौशिक, मनीष शर्मा, मोहन शर्मा, नीरज गोड, ब्राह्मण महिला मंडल की अध्यक्ष मीना शर्मा, ब्राह्मण महिला मंडल की उपाध्यक्ष ममता शर्मा, आदि महिला मंडल की सदस्य एवं बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग मौजूद रहे

तपती सड़कों पर पसरा सन्नाटा: जवाजा में आसमान से बरसी आग लू के थपेड़ों ने थामी रफ्तार

नागौर(आरजे मुकेश भाटी). चैत्र-वैसाख की शुरूआत के साथ ही सूर्यदेव ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं।उपखंड क्षेत्र सहित जवाजा मुख्य मार्ग पर इन दिनों दोपहर के समय नजारा किसी कर्फ्यू जैसा प्रतीत होने लगा है।भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है,जिसका सीधा असर सड़कों पर वाहनों की आवाजाही और व्यापारिक गतिविधियों पर देखने को मिल रहा है। सड़कों पर सन्नाटा,बेहाल हुआ जनजीवनः-रविवार को दोपहर होते-होते तापमान के पारे में भारी उछाल दर्ज किया गया।आलम यह था कि जवाजा मुख्य सड़क,जो आमतौर पर वाहनों के शोर और राहगीरों की चहल-पहल से गुलजार रहती है,दोपहर 1 बजे के बाद पूरी तरह सुनसान नजर आई।तेज धूप के कारण डामर की सड़कें मानों आग उगल रही थीं।दूर तक देखने पर सड़क पर उठती गर्मी की लहरें (मिराज) साफ देखी जा सकती थीं।अत्यधिक गर्मी के कारण दुपहिया वाहन चालक तो दूर, चार पहिया वाहनों की संख्या में भी भारी गिरावट आई है। इक्का-दुक्का जो लोग सड़कों पर नजर आए,वे भी पूरी तरह से अपने चेहरे और शरीर को ढके हुए थे। घरों में कैद होने को मजबूर लोगः-सूरज की तपिश इतनी भीषण है कि लोग अपने जरूरी कामों को या तो सुबह जल्दी निपटा रहे हैं या फिर शाम ढलने का इंतजार कर रहे हैं।दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे के बीच बाजारों में सन्नाटा पसर जाता है।स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस बार गर्मी ने समय से पहले ही अपने प्रचंड रूप के दर्शन करा दिए हैं।भीषण लू के डर से लोग घरों के अंदर कूलर और पंखों की शरण लेने को मजबूर हैं।दोपहर के समय बाहर निकलना मानों भट्टी में कूदने जैसा है। गर्म हवाओं के कारण आंखों में जलन और शरीर में डिहाइड्रेशन का खतरा बना रहता है,इसलिए लोग घरों में ही रहना पसंद कर रहे हैं।

ठंडे पेय पदार्थों की मांग में उछालः-

जहां एक ओर गर्मी ने आम जनता को परेशान कर रखा है,वहीं दूसरी ओर ठंडे पेय पदार्थों के व्यापार में तेजी आई है।बाजारों में गन्ने का रस,छाछ,लस्सी और मौसमी फलों के जूस की दुकानों पर शाम के समय खासी भीड़ देखी जा रही है।लोग शरीर को ठंडा रखने के लिए देशी नुस्खों और तरल पदार्थों का सहारा ले रहे हैं। पशु-पक्षी भी बेहालः- गर्मी का असर केवल इंसानों पर ही नहीं,बल्कि बेजुबान पशु-पक्षियों पर भी साफ देखा जा सकता है।पानी की तलाश में मवेशी इधर-उधर भटकते नजर आ रहे हैं।क्षेत्र के समाजसेवी संगठनों ने पक्षियों के लिए परिंडे बांधने और पशुओं के लिए खेलियों में पानी भरवाने की अपील की है।

महंत गुरबंता दास स्कूल में मूक-बधिर बच्चों के एडमिशन शुरू डिप्टी कमिश्नर

बठिंडा, 19 अप्रैलः (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा) डिस्ट्रिक्ट रेड क्रॉस सोसाइटी बठिंडा द्वारा चलाए जा रहे महंत गुरबंता दास स्कूल फॉर डेफ एंड डंब बठिंडा में स्पेशल जरूरतों वाले मूक-बधिर बच्चों के एडमिशन शुरू हो गए हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए, चेयरमैन रेड क्रॉस सोसाइटी बठिंडा-कम-डिप्टी कमिश्नर श्री राजेश धीमान ने कहा कि इन बच्चों को स्कूल में हाई-क्वालिटी एजुकेशन दी जा रही है। स्कूल का मुख्य मकसद उन बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनाना है जो बोल और सुन नहीं सकते। स्कूल में प्री-प्राइमरी से दसवीं क्लास तक फ्री एजुकेशन दी जाती है। यहां बच्चों के लिए मॉडर्न फैसिलिटी जैसे साफ और फ्रेंडली माहौल, टीचरों की डेडिकेटेड और अनुभवी टीम और सीखने के लिए सभी जरूरी इक्विपमेंट मौजूद हैं।

इसके अलावा, बच्चों के ऑल-राउंड डेवलपमेंट के लिए स्कूल में स्पोर्ट्स और दूसरी एक्टिविटीज को भी बढ़ावा दिया जाता है। स्टूडेंट्स को कंप्यूटर ट्रेनिंग, सिलाई, ब्यूटीशियन और बेकरी जैसी स्किल-बेस्ड ट्रेनिंग भी दी जाती है ताकि वे भविष्य में नौकरी के लायक बन सकें और अपनी ज़िंदगी आजादी से जी सकें।

डिस्ट्रिक्ट रेड क्रॉस सोसाइटी बठिंडा ने पेरेंट्स और आम लोगों से अपील की है कि अगर उनके घर या आस-पास कोई ऐसा बच्चा है जो बोल या सुन नहीं सकता, तो उसे इस स्कूल में एडमिशन दिलाया जाए ताकि उसे बेहतर एजुकेशन और एक्सपीरियंस मिल सके। ज्यादा जानकारी के लिए कॉन्टैक्ट नंबर 9872666803, 8146898987, 7986443529 या ईमेल mgdbtschool@gmÔil.com पर भी कॉन्टैक्ट किया जा सकता है।

आखातीज पर ब्रह्मपुरी में उमड़ा आस्था का सैलाब, श्री बद्री नारायण मंदिर में विशाल मेला

जयपुर। आखातीज (अक्षय तृतीया) के पावन अवसर पर ब्रह्मपुरी थाना के सामने स्थित मंदिर श्री बद्री नारायण जी में भव्य मेले का आयोजन किया गया, जहां आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान बद्री नारायण जी के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं और पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा। मेले में विभिन्न व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित की गईं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। इस अवसर पर स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज विधायक हवामहल के सानिध्य में सम्पूर्ण व्यवस्थाओं का सफल संचालन किया गया। उन्होंने भाजपा हवामहल विधानसभा की ओर से भाजपा कार्यकताओं के साथ श्रद्धालुओं के लिए सेवा भाव से आइस्क्रीम वितरण भी किया गया जिसे लोगों ने सराहा।

स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने बताया कि आखातीज का पर्व सनातन धर्म में विशेष महत्व रखता है। इस दिन किया गया दान, पुण्य एवं पूजा-अर्चना अक्षय फल प्रदान करते हैं। यह पर्व समाज में सेवा, समर्पण और सद्भावना की भावना को सुदृढ़ करता है। छोटी काशी जयपुर में अक्षय तृतीया के अबूझ मुहूर्त के अवसर पर विवाह उत्सव, सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों की धूम है। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्था के भी व्यापक इंतजाम किए गए थे। पूरे आयोजन में अनुशासन एवं भक्ति का सुंदर समन्वय देखने को मिला। इस अवसर पर मन्दिर महंत बच्चन दास महाराज, जसपाल दास सेवक, अमर गुप्ता, मनीष खंडेलवाल, मानप्रकाश गुप्ता, दीपक शर्मा, नरेन्द्र स्वामी, तरुण शर्मा आदि उपस्थित रहे।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

जयपुर। अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर रविवार 19 अप्रैल को राजधानी जयपुर के अजमेर रोड स्थित महला में झाग रोड पर वर्ल्ड वन रियल स्टेट सॉल्यूशन के नए ऑफिस का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर एएमआरसी पार्क हॉस्पिटल के सहयोग से स्थानीय निवासियों के लिए सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक निःशुल्क जांच एवं चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर के संयोजक एएमआरसी पार्क हॉस्पिटल के मैनेजर डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि इस शिविर में सैकड़ों स्थानीय निवासियों ने विभिन्न बीमारियों जैसे डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, ईसीजी इत्यादि की निःशुल्क जांच का लाभ उठाया। वहीं वर्ल्ड वन रियल स्टेट सॉल्यूशन की चेयरपर्सन सोनी मिश्रा ने बताया कि वर्ल्ड वन रियल स्टेट सॉल्यूशन के विभिन्न प्रोजेक्ट में इन्वेस्टमेंट करने के उद्देश्य से इसके नए ऑफिस का शुभारंभ यहां किया गया है, जहां पर अजमेर रोड स्थित महला और आसपास के इलाके में रहने वाले सभी तरह के लोग आकर प्रॉपर्टी में निवेश करने की जानकारी विस्तार से ले सकेंगें। सोनी ने बताया कि जयपुर के विभिन्न इलाकों में वर्ल्ड वन रियल स्टेट सॉल्यूशन के लगभग दस प्रोजेक्ट अंडर कंस्ट्रक्शन पर हैं, जिन्हें अगले कुछ महीनों में ही कंप्लीट करने का लक्ष्य रखा गया है। इन प्रोजेक्ट में कोई भी व्यक्ति बहुत ही किफायती दरों पर अपना खुद का प्लॉट लेने के लिए निवेश कर सकता है।

जीसीसी स्कूल और पीयूसीए ने आयोजित की चण्डीगढ़ लीडरशिप मीट

चण्डीगढ़ (अमरपाल नूरपुरी) : केसी ग्लोबऐड की एक पहल जीसीसी स्कूल ने पंजाब अनएडेड कॉलेजेज एसोसिएशन (पीयूसीए) के सहयोग से पीएचडी चैम्बर, चण्डीगढ़ में एक प्रेस सम्मेलन का आयोजन किया, जिसका विषय था फ्रॉम कैंपस टू कॉर्पोरेटः क्रिएटिंग ग्लोबल फाइनैंशियल लीडस। यह सम्मेलन अकादमिक, सरकार एवं उद्योग जगत के मुख्य प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाया। प्रेस सम्मेलन के बाद शाम को एक लीडरशिप मीट आयोजित की गई, जहां पंजाब सरकार के माननीय वित्त मंत्री श्री एस. हरपाल सिंह चीमा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अकादमिक एवं उद्योग जगत के बीच आपसी सहयोग के द्वारा कॉमर्स ग्रेजुएट्स के लिए करियर के विश्वस्तरीय मार्ग प्रशस्त करने पर अर्थपूर्ण चर्चा को बढ़ावा देना था। कॉमर्स के 15 से अधिक अध्यापकों को क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए माननीय मंत्री एस.हरपाल सिंह चीमा द्वारा सम्मानित किया गया, इस अवसर पर पंजाब से 100 से अधिक अकादमिक लीडरों ने भी हिस्सा लिया। जीसीसी स्कूल डॉ. कमल छाबड़ा के दिमाग की उपज है, जो इंटरनेशनल फाइनैंस शिक्षा के जाने-माने नाम तथा केसी ग्लोबऐड के संस्थापक एवं सीईओ हैं। जीसीसी स्कूल के साथ डॉ छाबड़ा ने इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए ऐसा मार्ग प्रशस्त किया है जो शिक्षा को सीधे ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटरों एवं मल्टीनेशनल संगठनों में रोजगार के अवसरों के साथ जोड़ता है।

गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब के दर्शन के लिए कॉरिडोर दोबारा खोला जाए: इंदर मोहन सिंह

चंडीगढ़(अमरपाल नूरपुरी) दशमेश सेवा सोसायटी (पंजीकृत) के अध्यक्ष एवं दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (DSGMC) के पूर्व सदस्य ने केंद्र सरकार से अपील की है कि गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर को श्रद्धालुओं के लिए पुनः खोला जाए। उन्होंने कहा कि यह कॉरिडोर भारत और पाकिस्तान सरकार के आपसी सहयोग से बनाया गया था, जिसके माध्यम से भारतीय श्रद्धालु बिना पाकिस्तानी वीजा के इस पवित्र ऐतिहासिक गुरुद्वारे के दर्शन कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए भारतीय सरकार से ई-टी-ए (ETA) के माध्यम से अनुमति लेना अनिवार्य है, और इस मार्ग से जाने वाले श्रद्धालुओं को पाकिस्तान में रात्रि विश्राम की अनुमति नहीं होती।

उन्होंने आगे बताया कि गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन के अंतिम लगभग 18 वर्ष इसी स्थान पर बिताए और यहीं ज्योति ज्योत समाए। इस स्थान पर उनके अंतिम संस्कार की स्मृति, मुस्लिम समुदाय द्वारा निर्मित समाधि, तथा खेती के लिए उनके द्वारा बनवाया गया ऐतिहासिक कुआं भी मौजूद है।

अमरपाल नूरपुरी ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में आई खटास के कारण यह कॉरिडोर लंबे समय से बंद है, जिससे श्रद्धालु अपने गुरु के दर्शन करने से वंचित हैं। हालांकि, पाकिस्तान सरकार समय-समय पर गुरुपर्वों के अवसर पर जत्थों के माध्यम से भारतीय श्रद्धालुओं को लाहौर के रास्ते इस गुरुद्वारे के दर्शन की अनुमति देती है।

अव्यवस्था की भेंट चढ़ी रसोई गैस वितरण प्रणाली,चिलचिलाती धूप में घंटों कतारों में खड़े रहे ग्रामीण

नागौर(आरजे मुकेश भाटी). क्षेत्र में रसोई गैस वितरण व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। रविवार को जवाजा कस्बे में गैस सिलेंडर लेने के लिए उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी,जिससे अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।तीन अलग-अलग गैस एजेंसियों द्वारा एक ही स्थान पर वितरण किए जाने के कारण व्यवस्थाएं पूरी तरह ध्वस्त नजर आईं।वहीं सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर हो रहे इस वितरण ने विभाग की कार्यप्रणाली पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

गाँवों में नहीं पहुंच रही गाड़ियां,ग्रामीणों में भारी रोषः-

दूर-दराज के गांवों से आए ग्रामीणों ने गैस एजेंसियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।ग्रामीणों का कहना है कि एजेंसियां गांवों में नियमित रूप से गाड़ियां नहीं भेज रही हैं,जिसके कारण उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

धूप की मारः-

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप में ग्रामीण मीलों दूर से जवाजा आने को मजबूर हैं।गांवों में गाड़ी नहीं आने से ग्रामीणों को खुद के निजी साधनों या किराए के वाहनों में सिलेंडर लादकर ले जाना पड़ रहा है,जो आर्थिक और शारीरिक दोनों रूप से कष्टदायक है।तकनीकी खामियां बनी मुसीबत :-

कतारों में खड़े कई उपभोक्ताओं ने शिकायत की कि उनके मोबाइल पर ओटीपी नहीं आ रहा है।बिना ओटीपी के सिलेंडर देने से मना किए जाने के कारण ग्रामीणों को घंटों इंतजार करना पड़ा।डिजिटल इंडिया के दौर में सर्वर की समस्या और नेटवर्क की कमी गरीबों के चूल्हे बुझाने का कारण बन रही है।

सुरक्षा से खिलवाड़ न फायर किट न सुरक्षा उपकरणः-

पत्रिका टीम ने जब मौके पर सिलेंडर से भरी गाड़ियों का जायजा लिया,तो चौंकाने वाली हकीकत सामने आई।ज्वलनशील पदार्थ होने के बावजूद वितरण वाहनों में सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे।

बड़ा सवाल हादसा हुआ तो जिम्मेदार कौन-जब गाड़ियों के चालकों और कर्मचारियों से सुरक्षा उपकरणों की अनुपलब्धता पर सवाल किया गया,तो उन्होंने पल्ला झाड़ते हुए कहा– एजेंसी संचालक हमें उपकरण उपलब्ध कराएंगे तभी तो हम रखेंगे। हमारे पास सिर्फ सिलेंडर हैं,आग बुझाने के लिए कोई फायर फिट या अन्य साधन नहीं है।यह स्थिति बेहद भयावह है।यदि सिलेंडर लोडिंग-अनलोडिंग के दौरान या भीषण गर्मी में किसी तकनीकी कारण से कोई हादसा हो जाता है,तो मौके पर आग बुझाने का कोई साधन मौजूद नहीं है।घनी आबादी वाले क्षेत्र में इस तरह की लापरवाही किसी बड़े हादसे को खुला निमंत्रण दे रही है।

सुमन गुर्जर का आरएएस में चयन, कुचामन में हुआ भव्य अभिनंदन

एमबीसी महिला वर्ग में तीसरी रैंकः-

नागौर(आरजे मुकेश भाटी). क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बनते हुए शिक्षाविद् नाथूलाल गुर्जर प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, मंगलाना की धर्मपत्नी सुमन गुर्जर ने राजस्थान प्रशासनिक सेव में शानदार सफलता हासिल की है। एमबीसी महिला वर्ग में पूरे राजस्थान में तीसरी रैंक प्राप्त कर उन्होंने न केवल अपने परिवार, बल्कि गुर्जर समाज और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सुमन गुर्जर, जो कि भाटीपुरा (तहसील नावां की निवासी हैं, वर्तमान में जिला कलेक्टर कार्यालय सीकर में सहायक लेखाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। अपनी कड़ी मेहनत, लगन और निरंतर संघर्ष के दम पर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। इस उपलब्धि पर कुचामन सिटी में गुर्जर समाज की ओर से कुचामन सिटी में ही प्रबुद्धजनों ने उनका भव्य स्वागत और अभिनंदन किया। कार्यक्रम में प्रधान प्रतिनिधि नावां राजेश गुर्जर, देवनारायण विकास समिति अध्यक्ष बजरंगलाल गुर्जर, कोऑपरेटिव चैयरमेन दीपपुरा चेनाराम गुर्जर, हीराराम गुर्जर एडवोकेट, भंवरलाल लेक्करार, रामेश्वरलाल लेक्करर, उर्मिला गुर्जर प्रिंसिपल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने साफा पहनाकर और मुंह मीठा कर सुमन गुर्जर का सम्मान किया। वक्ताओं ने कहा कि सुमन गुर्जर की यह सफलता युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी उपलब्धि यह दशार्ती है कि दृढ़ संकल्प और मेहनत से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि सुमन गुर्जर प्रशासनिक सेवा में रहकर समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

भव्य कलश शोभा यात्रा के साथ हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा एवं अष्टयाम महायज्ञ का शुभारंभ

पातेपुर प्रखंड क्षेत्र के गोविंदपुर बेला पंचायत अंतर्गत भुसाही गांव स्थित नव निर्मित हनुमान मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा एवं अष्टयाम महायज्ञ को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का अद्भुत माहौल बना हुआ है। कार्यक्रम की शुरूआत 1051 कन्याओं द्वारा भव्य कलश शोभा यात्रा के साथ हुई, जिसमें गाजे-बाजे, हाथी-घोड़े और श्रद्धालुओं की लंबी कतार ने वातावरण को पूरी तरह धार्मिक बना दिया। कलश में जल भरने के लिए कन्याओं ने लंबी दूरी तय करते हुए सरैया स्थित नून नदी संगम घाट तक यात्रा की। वहां आचार्य एवं विद्वान पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधि-विधान से कलश में पवित्र जल भरा गया। इसके बाद तेज धूप के बावजूद सभी श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ पुनः मंदिर परिसर पहुंचे, जहां मंत्रोच्चारण के साथ कलश स्थापित किया गया। इस दौरान पूरा गांव ह्लजय श्रीरामह्व और ह्लहनुमान जी की जयह्व के उद्घोष से गूंज उठा। हनुमान मंदिर समिति भुसाही के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम के तहत 20 अप्रैल सोमवार को हनुमान जी की मूर्ति भ्रमण एवं प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य अनुष्ठान संपन्न होगा। 21 अप्रैल मंगलवार को सुबह 10 बजे से 24 घंटे का अष्टयाम महायज्ञ प्रारंभ किया जाएगा, जिसमें लगातार भजन-कीर्तन और पूजा-अर्चना होगी। 22 अप्रैल बुधवार को महायज्ञ के समापन अवसर पर रात्रि में भव्य विवाह कीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में श्रीराम जानकी लदहो मठ के महंथ बाबा राघव दास, शिवचंद्र प्रसाद निराला, मुखिया गरीबनाथ आलोक, पूर्व जिला पार्षद तारक चौधरी, संतोष साह, उपमुखिया शिवचंद्र कुमार राय, बिट्टू कुमार, वशिष्ट सहनी, संतोष चौधरी, उमेश चौधरी, सुरेश महतो, उपेंद्र साह, मंदिर के पुजारी जनक साह, डॉ. राहुल कुमार, मुकेश कुमार महतो, राजू महतो, बैजनाथ चौधरी, डाक्टर हरिनारायण महतो, मुकेश कुमार साह, विकास कुमार साह, रामईश्वर महतो सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिससे पूरा आयोजन भक्ति, आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक बन गया।

सीएम छत्तीसगढ़ से डेगाना प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात, बचपन की यादें हुईं ताजा

नागौर(आरजे मुकेश भाटी). मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ विष्णु देव साय से डेगाना क्षेत्र के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस मौके पर उनका मारवाड़ी परंपरा से साफा बंधन कर स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत सम्मान किया गया। डेगाना शहर के निवासी किराना व्यापारी एवं विश्व हिंदू परिषद पदाधिकारी कृष्ण अवतार हेड़ा, रवि हेडा डेगाना सहित डेगाना क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान आपसी आत्मीय संवाद के बीच पुरानी यादों को भी ताजा किया गया।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल कृष्ण अवतार हेड़ा ने बताया कि मुख्यमंत्री साय के साथ उनके बचपन के संबंध रहे हैं, वह सहपाठी भी रहे हैं। मुलाकात के दौरान पुराने दिनों की स्मृतियों को साझा करते हुए आत्मीय वातावरण बना रहा। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष छत्तीसगढ़ किरणसिंह, भाजपा प्रदेश महामंत्री छत्तीसगढ़ अखिलेश सोनी भी उपस्थित रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री साय की सरलता, सहजता और समदर्शी व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि उनका व्यवहार अत्यंत आत्मीय और प्रेरणादायक है।

डेगा पूर्व विधायक विजयपाल मिर्धा का डेगाना क्षेत्र दौरा, आमजन की समस्याओं को सुना

नागौर(आरजे मुकेश भाटी). डेगाना पूर्व विधायक विजयपाल मिर्धा रविवार को डेगाना शहर सहित विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने आमजन से रूबरू होकर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों तक बात पहुंचाने का भरोसा दिलाया। दौरें में मिर्धा ने कहा कि डेगाना विधानसभा क्षेत्र से उनका विशेष जुड़ाव रहा है और क्षेत्र की जनता के हितों के लिए वे हमेशा प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि बिजली, पानी, सड़क सहित अन्य मूलभूत समस्याओं को लेकर वे लगातार प्रदेश सरकार के संपर्क में रहते हैं तथा अधिकारियों से नियमित चर्चा कर समाधान की दिशा में प्रयासरत हैं। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि हर समस्या को प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा। आईटी सेल संयोजक दीपक अग्रावत ने बताया कि इस दौरान विभिन्न गांवों में सामाजिक कार्यक्रमों में भी उन्होंने भाग लिया, जहां स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत एवं सम्मान किया। इस मौके पर हाफिज खान, सरपंच सुरेश ढाका, युवा नेता हुक्माराम बाजिया, प्रकाश आंवला आंतरोली, पार्षद नोरतराम झगड़वास, छोटू खां, हनुमान रॉयल, दौलत खान, जयराम डूकिया, नेमाराम सियाक, हनुमानसिंवर, रईस खान, मोशीन खान, इरफान खान सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

राजस्थान ब्राह्मण महासभा शाखा जोबनेर के तत्वावधान में भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

जोबनेर- भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर धानास (जोबनेर) सहित आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। यह संपूर्ण आयोजन राजस्थान ब्राह्मण महासभा, शाखा जोबनेर के तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित भव्य शोभायात्रा एवं नगर भ्रमण ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। शोभायात्रा में भगवान परशुराम की आकर्षक झांकी सजाई गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के दौरान नगर के विभिन्न स्थानों पर जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। सर्व समाज के लोगों ने मिलकर श्रद्धा एवं उत्साह के साथ स्वागत एवं सम्मान किया, जिससे सामाजिक समरसता और एकता का सुंदर संदेश प्रसारित हुआ।

इस पावन अवसर पर भगवान परशुराम मंदिर, धानास (जोबनेर) में विशेष स्नान-पूजन एवं महाआरती का आयोजन भी किया गया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और सभी ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान परशुराम का आशीर्वाद प्राप्त किया। महाआरती के दौरान पूरा वातावरण भक्ति और श्रद्धा से गूंज उठा। इस भव्य आयोजन में दयाल महाराज, वैद्य रामचरण तिवाड़ी, भामाशाह हरि जी शर्मा, ज्वाला सहाय गौड़, सुरेश पारीक, अमरचंद शर्मा, बद्रीनारायण शर्मा, रविंद्र बदांगना, प्रहलाद शर्मा, हनुमान लाल शर्मा, मोहन शर्मा, नालचंद शर्मा, अमित पारीक, रवि शर्मा, कमलेश गौड़ सहित सैकड़ों गणमान्य समाज के लोग उपस्थित रहे।

अनुशासन, गुरुभक्ति एवं अन्याय के खिलाफ संघर्ष की प्रेरणा देता है, भगवान परशुराम का जीवन- किलक

नागौर (आरजे मुकेश भाटी). शहर के प्राचीन शिव मंदिर परिसर में रविवार को समस्त छः न्याति विप्र समाज डेगाना की ओर से भगवान परशुराम जन्मोत्सव महोत्सव हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवनियुक्त अध्यक्ष रामदेव जोशी ने की, जबकि मुख्य अतिथि डेगाना विधायक अजयसिंह किलक रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत डेगाना विधायक अजयसिंह किलक ने भगवान परशुराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर व माल्यार्पण के साथ किया। इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान भी संपन्न हुए। विधायक अजयसिंह किलक ने संबोधित करते हुए कहा कि भगवान परशुराम किसी एक वर्ग विशेष के नहीं, बल्कि सम्पूर्ण समाज के आराध्य हैं। उन्हें 36 बिरादरी के भगवान के रूप में माना जाता है। उन्होंने कहा कि परशुराम के आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं और उनके जीवन से हमें अनुशासन, गुरुभक्ति तथा अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने उपस्थित समाजजनों से आह्वान किया कि वे सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने का संकल्प लें। विधायक किलक ने समस्त छः न्याति विप्र समाज को आश्वस्त किया कि क्षेत्र में सामाजिक कार्यों एवं विकास के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे और प्राथमिकता से सहयोग प्रदान करेंगे। धार्मिक अनुष्ठान व सामाजिक विचार मंथनः- महोत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ समाज के विकास, संगठन सुदृढ़ीकरण और समसामयिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

गांव की बेटी ने रचा इतिहास: जसनगर की दीपाली का आरएएस में चयन, 609वीं रैंक हासिल

मेड़ता सिटीपे(लक्ष्मीनारायण वैष्णव) / निकटतम गाँव जसनगर छोटे से कस्बे से निकलकर एक बेटी ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर बड़ी उपलब्धि हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया। जसनगर की प्रतिभाशाली बेटी दीपाली का वर्ष 2024 की राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) परीक्षा में चयन हुआ है। उन्होंने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में 609वीं रैंक प्राप्त कर सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से जसनगर सहित पूरे क्षेत्र में गर्व और खुशी का माहौल है।

दीपाली, भक्त शिरोमणि मीराबाई स्मारक पैनोरमा के प्रबंधक नरेंद्रसिंह की पुत्री हैं। एक साधारण परिवार से निकलकर प्रशासनिक सेवा तक पहुंचने की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे गांव के लिए गौरव का विषय बन गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यह गांव की बेटी की मेहनत और संकल्प का परिणाम है, जिसने पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है।

दीपाली बचपन से ही पढ़ाई में अत्यंत होनहार रही हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा के दौरान ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 10वीं कक्षा में 90 प्रतिशत तथा 12वीं कक्षा में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके बाद उन्होंने बीएससी (फिजिक्स) में अध्ययन करते हुए विश्वविद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए और गोल्ड मेडल हासिल किया। उनकी प्रतिभा को कई मंचों पर सम्मान भी मिला है।

वर्ष 2015 और 2017 में राजस्थान सरकार के बालिका शिक्षा फाउंडेशन द्वारा उन्हें गार्गी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं 2019-20 में भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा इंस्पायर अवार्ड भी प्राप्त हुआ। वर्ष 2022 में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा बीएससी फिजिक्स में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर उन्हें स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

दीपाली की उपलब्धियां यहीं तक सीमित नहीं हैं। उन्हें जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में भी सम्मानित किया जा चुका है तथा अजमेर के जवाहर रंगमंच में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में भी कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

गौरतलब है कि इससे पहले भी दीपाली ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) पद पर चयनित हो चुकी हैं।

लेकिन उनका लक्ष्य प्रशासनिक सेवा में जाकर समाज और प्रदेश की सेवा करना था। लगातार मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ उन्होंने अपने लक्ष्य को हासिल कर यह साबित कर दिया कि गांव की बेटियां भी बड़े सपने देख सकती हैं और उन्हें साकार कर सकती हैं।

एसडी स्कूल ऑफ बिजनेस में फायर सेफ्टी पर लेक्चर और डेमोस्ट्रेशन आयोजित

चंडीगढ़ (अमरपाल नूरपुरी): फायर सर्विस वीक 2026 के तहत एसडी स्कूल ऑफ बिजनेस, सेक्टर 32, चंडीगढ़ में फायर सेफ्टी पर एक लेक्चर और डेमोस्ट्रेशन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन फायर स्टेशन सेक्टर 32 चंडीगढ़ और फायर अवेयरनेस एंड सेफ्टी एसोसिएशन (एफएएसए) ने मिलकर किया था। लीडिंग फायरमैन भूपिंदर सिंह ने विद्यार्थियों और स्टाफ को आग से बचाव के उपायों, शिक्षण संस्थानों में आग लगने के आम कारणों और बाहर निकलने के रास्तों को साफ रखने के महत्व के बारे में जानकारी दी। इसके बाद, अलग-अलग तरह के फायर एक्सटिंग्विशर के इस्तेमाल का प्रदर्शन किया। एफएएसए वालंटियर्स और फायर कर्मियों ने फायर हाइड्रेंट को चलाने का तरीका भी दिखाया और बाहर निकलने का एक मॉक ड्रिल भी करवाया। सब फायर ऑफिसर जसमीत सिंह ने कहा कि जागरूकता ही बचाव का पहला कदम है। जब छात्रों को यह समझ आ जाता है कि आग लगने के शुरूआती दो मिनटों में कैसे प्रतिक्रिया देनी है, तो हम जानें बचा सकते हैं और नुकसान को काफी हद तक कम कर सकते हैं। फायर अवेयरनेस एंड सेफ्टी एसोसिएशन के फाउंडर प्रेसीडेंट जसज्योत सिंह अलमस्त ने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य युवाओं में आग से सुरक्षा को एक आदत बनाना है। इस तरह के सत्र यह पक्का करते हैं कि सुरक्षा से जुड़ी जानकारी क्लासरूम से घरों तक पहुंचे।

अक्षय तृतीया रैपिड ओपन शतरंज प्रतियोगिता 2026 का रोमांचक आगाज

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर जयपुर चेस क्लब द्वारा परिष्कार कॉलेज मानसरोवर में आयोजित रैपिड ओपन शतरंज प्रतियोगिता 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में कुल 171 प्रतिभागी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं, जिससे आयोजन में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा और उत्साह का माहौल बना हुआ है। टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर जिनेश कुमार जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता की विशेष बात यह है कि इसमें 24 नए (फ्रेश) बच्चे पहली बार किसी टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं, जो शतरंज के प्रति बढ़ती रुचि का सकारात्मक संकेत है। साथ ही उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 25,000 की प्राइज मनी, 39 ट्रॉफियां एवं मेडल्स खिलाड़ियों को प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनमोहन हर्ष (जॉइंट डायरेक्टर, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग) रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शतरंज जैसे बौद्धिक खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सुभाष जैन (रिटायर्ड AGM, SBI बैंक) उपस्थित रहे और उन्होंने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

जयपुर जिला शतरंज संघ के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट विक्रम सिंह ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं तथा उन्हें बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करते हैं। यह प्रतियोगिता जयपुर चेस अकेडमी द्वारा आयोजित की जा रही है, जिसे जयपुर डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन (JDCA) द्वारा मान्यता प्राप्त है तथा आयोजन में जयपुर चेस क्लब एवं वाणी चेस क्लब का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है।

अंतरराष्ट्रीय जादूगर मिस्टर इंडिया सम्मानित परसपुर में गर्व का माहौल,,

परसपुर गोण्डा। सामाजिक संगठन एकता फाउंडेशन द्वारा डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर जयंती 2026 के अवसर पर आयोजित बाबासाहेब आंबेडकर नेशनल अवार्ड 2026 के लिए जनपद गोण्डा के विकास खण्ड परसपुर अंतर्गत ग्राम सीरपुरवा हरदिहा सपौर निवासी अंतर्राष्ट्रीय जादूगर मिस्टर इंडिया का चयन किया गया है। इस उपलब्धि से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। इस पहल का उद्देश्य समाज में न्याय, समानता और सामाजिक परिवर्तन के मूल्यों को बढ़ावा देना है। संस्था द्वारा चलाए जा रहे हर घर संविधान, घर-घर संविधान एवं संविधान जागरूकता और महान नेताओं का जनजागरूकता अभियान के तहत लोगों को देश के संविधान, शिक्षा, रोजगार और मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। संस्था का संदेश है– हम आपके हाथों में किसी पार्टी का झंडा नहीं, बल्कि देश का संविधान देंगे। फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. जय संजय रामटेके ने बताया कि यह राष्ट्रीय पुरस्कार उन व्यक्तियों और संगठनों को समर्पित है, जो समाज में समावेशी विकास, समानता और सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल भारत के संविधान निमार्ता डॉ. बी. आर. आंबेडकर के विचारों से प्रेरित है। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर चेयरमैन वासुदेव सिंह,मण्डल अध्यक्ष वंश बहादुर सिंह, इंद्रप्रकाश शुक्ला,पूर्व मण्डल अध्यक्ष डॉ एस पी सिंह, रविशंकर सिंह(पवन),अजय शुक्ला,शिक्षक ज्ञानू सिंह,बृजेश सिंह,शिक्षक रामकुमार पाण्डेय सहित अन्य तमाम क्षेत्रीयजनो ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

टोंक के नटवाड़ा गांव में बद्री विशाल मंदिर के शिखर पर बैठा तोता अच्छी बारिश और फसल का माना जाता है शुभ संकेत

निवाई उपखंड के नटवाड़ा गांव में अक्षय तृतीया पर आयोजित पारंपरिक 'सकून' कार्यक्रम में इस बार सुकाल के संकेत मिले हैं। बद्री विशाल भगवान मंदिर के शिखर पर स्थापित ध्वजा के बाद सुबह सबसे पहले तोता आकर बैठा और कुछ ही समय बाद में उड़ गया। ग्रामीणों ने इसे अच्छी बारिश और बेहतर फसल का शुभ संकेत माना है। इस परंपरा के तहत नटवाड़ा ध्वजा को विशेष मंत्रोच्चार के साथ तैयार किया जाता है। इसे सुबह 7:15 बजे ठिकाने से रवाना कर मंदिर पहुंचाया गया, जहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद ध्वजा को गर्भगृह में ले जाकर भगवान बद्रीविशाल के चरणों से स्पर्श कराया गया और फिर मंदिर के शिखर पर स्थापित किया गया मान्यता है कि ध्वजा शिखर पर चढ़ाने के बाद जो भी पक्षी सबसे पहले बैठता है, वह पूरे साल के अकाल या सुकाल का संकेत देता है। इस साल तोते का बैठना शुभमाना जा रहा है।

62 पुलिस टीमों में 278 पुलिस कर्मियों द्वारा 364 स्थानों पर दबिश देकर कुल 122 अपराधियों को किया गिरफ्तार

देश का दर्पण न्यूज श्री हनुमान प्रसाद,आईपीएस जिला पुलिस अधीक्षक, जयपुर ग्रामीण ग्रामीण ने जानकारी देते हुए बताया है कि श्रीमान महानिरीक्षक पुलिस जयपुर रेंज जयपुर श्री राहुल प्रकाश आईपीएस द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड़, अवैध हथियार, अवैध मादक पदार्थ, शराब एवं अवैध खनन व परिवहन के खिलाफ कार्यवाही हेतु दिनांक 18.04.2026 को एक विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया था।

इसी क्रम में अभियान की पालना में कार्यवाही हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री रजनीश पूनियां, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा श्री रणवीर सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू श्री शिवलाल बैरवा व सभी वृत्ताधिकारीगण जयपुर ग्रामीण के निकटतम सुपरविजन में तथा समस्त थानाधिकारीगण जयपुर ग्रामीण के नेतृत्व में 62 पुलिस टीमों का गठन कर कुल 278 पुलिस कर्मियों द्वारा 364 स्थानों पर दबिश देकर कुल विभिन्न मामलों में कुल 122 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

अभियान के दौरान सभी पुलिस टीमों ने अपने अपने इलाके में संवेदनशील एवं चिन्हित स्थानों पर सघन तलाशी अभियान चलाकर विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर कार्यवाही करते हुए 01 हिस्ट्रीशीटर अपराधी को प्रकरण में गिरफ्तार किया है तथा जघन्य अपराधों में वांछित चल रहे 02 गिरफ्तार अपराधियों, सामान्य अपराधों में वांछित चल रहे 06 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। अभियान में गिरफ्तारी वारंट में 55 आरोपियों, स्थाई वारंट/पीओ/335 इठरर के 09 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है तथा साथ ही अवैध शराब व एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में वांछित चल रहे 02 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही करते हुए 06 नवीन प्रकरण दर्ज कर 05 आरोपियों, एनडीपीएस एक्ट के 02 नवीन प्रकरण दर्ज कर 01 आरोपी, अवैध खनन में 02 प्रकरण दर्ज कर 03 आरोपी व अन्य अधिनियम में 09 प्रकरण दर्ज कर दर्ज कर 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है तथा साथ ही शांति भंग करने वाले कुल 26 आरोपियों को भी 170 बीएनएसएस में गिरफ्तार किया गया है, इस प्रकार अभियान में कुल 122 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

गांव की बेटी ने रचा इतिहास: जसनगर की दीपाली का आरएएस में चयन, 609वीं रैंक हासिल

मेड़ता सिटीपे(लक्ष्मीनारायण वैष्णव) / निकटतम गाँव जसनगर छोटे से कस्बे से निकलकर एक बेटी ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर बड़ी उपलब्धि हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया। जसनगर की प्रतिभाशाली बेटी दीपाली का वर्ष 2024 की राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) परीक्षा में चयन हुआ है। उन्होंने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में 609वीं रैंक प्राप्त कर सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से जसनगर सहित पूरे क्षेत्र में गर्व और खुशी का माहौल है। दीपाली, भक्त शिरोमणि मीराबाई स्मारक पैनोरमा के प्रबंधक नरेंद्रसिंह की पुत्री हैं। एक साधारण परिवार से निकलकर प्रशासनिक सेवा तक पहुंचने की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे गांव के लिए गौरव का विषय बन गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यह गांव की बेटी की मेहनत और संकल्प का परिणाम है, जिसने पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। दीपाली बचपन से ही पढ़ाई में अत्यंत होनहार रही हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा के दौरान ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 10वीं कक्षा में 90 प्रतिशत तथा 12वीं कक्षा में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके बाद उन्होंने बीएससी (फिजिक्स) में अध्ययन करते हुए विश्वविद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए और गोल्ड मेडल हासिल किया। उनकी प्रतिभा को कई मंचों पर सम्मान भी मिला है। वर्ष 2015 और 2017 में राजस्थान सरकार के बालिका शिक्षा फाउंडेशन द्वारा उन्हें गार्गी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं 2019-20 में भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा इंस्पायर अवार्ड भी प्राप्त हुआ। वर्ष 2022 में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा बीएससी फिजिक्स में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर उन्हें स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

दीपाली की उपलब्धियां यहीं तक सीमित नहीं हैं। उन्हें जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में भी सम्मानित किया जा चुका है तथा अजमेर के जवाहर रंगमंच में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में भी कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी दीपाली ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) पद पर चयनित हो चुकी हैं। लेकिन उनका लक्ष्य प्रशासनिक सेवा में जाकर समाज और प्रदेश की सेवा करना था। लगातार मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ उन्होंने अपने लक्ष्य को हासिल कर यह साबित कर दिया कि गांव की बेटियां भी बड़े सपने देख सकती हैं और उन्हें साकार कर सकती हैं।

दीपाली की इस शानदार सफलता पर जसनगर के ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों, शिक्षकों और शुभचिंतकों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी है। लोगों का कहना है कि दीपाली की सफलता क्षेत्र के युवाओं और विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा बनेगी और शिक्षा के प्रति नई जागरूकता पैदा करेगी।

दीपाली ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और परिवार के सहयोग को देते हुए कहा कि निरंतर मेहनत, धैर्य और सकारात्मक सोच से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी बड़े सपने देखने चाहिए और पूरी लगन से उन्हें पूरा करने का प्रयास करना चाहिए।

उदयपुर स्थापना दिवस का ऐतिहासिक महत्व-डॉ. श्रीनिवास महावर

उदयपुर स्थापना दिवस (Udaipur Foundation Day) हर साल अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर उत्साह के साथ मनाया जाता है। चित्तौड़गढ़ पर मुगलों के लगातार हमलों के बाद, सुरक्षित स्थान की तलाश में महाराणा उदय सिंह द्वितीय ने अरावली की पहाड़ियों के बीच घिरे गिर्वा घाटी में पिछोला झील के किनारे एक नई राजधानी के रूप में उदयपुर की स्थापना की थी। यह उदयपुर के गौरवशाली इतिहास और महाराणा उदय सिंह द्वितीय के संघर्ष एवं दूरदर्शिता को याद करने का दिन है। स्थापना दिवस के अवसर पर उदयपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम, शोभायात्रा, और आतिशबाजी का आयोजन किया जाता है। शहर के मुख्य स्थलों को सजाया जाता है।

साथ ही उदयपुर की सांस्कृतिक विरासत, महलों, झीलों और इसके इतिहास को याद किया जाता है। शहर की सुरक्षा के लिए 6 किलोमीटर लंबी दीवार (परकोटा) बनाई गई थी, जिसमें सूरजपोल, चांदपोल, उदयपोल, हाथीपोल, अंबापोल, ब्रह्मपोल और दिल्ली गेट (कुल सात मुख्य प्रवेश द्वार) थे। आज उदयपुर डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध है। इसे 'झीलों का शहर' (City of Lakes) और 'पूर्व का वेनिस' ((Venice of the East) भी कहा जाता है। इस अवसर पर मंच के सचिव शिरीष नाथ माथुर, डॉ.प्रियदर्शी ओझा, विशाल मथुर एवं विनोद कुमार चौधरी ने बताया कि-महाराणा उदय सिंह द्वितीय द्वारा स्थापित उदयपुर, एक राजसी रियासत से आज एक आधुनिक, पर्यटन-केंद्रित स्मार्ट शहर में बदल गया है।

अरावली की घाटियों में बसा यह शहर, अपनी संस्कृति को संरक्षित करते हुए, पर्यटन, शिक्षा, और व्यापार के क्षेत्र में तेजी से विकसित हुआ है, जो इसके ऐतिहासिक आकर्षण और आधुनिक सुविधाओं का एक अनूठा संगम बनाता है।

आईपीएल 20-20 क्रिकेट मैच में सटटा लगा रहे मुल्जिम शकील अहमद को किया गिरफ्तार

देश का दर्पण न्यूज पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा आई.पी.एस. ने बताया कि समस्त थानाधिकारियो को जिला जयपुर उत्तर में जुआ/सटटे के खिलाफ अधिक से अधिक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था जिस पर श्री नीरज पाठक आरपीएस अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर प्रथम के सुपरविजन मे एंव श्री आदित्य पुनियां आरपीएस सहायक पुलिस आयुक्त रामगंज जयपुर उत्तर के निर्देशन में टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा श्री साबिर उनि, मोहम्मद इस्लाम कानि. 7356 डीएसबी जयपुर उत्तर की सूचना पर रात्री में आईपीएल क्रिकेट टीम सनराजईजर हैदराबाद एवं चैन्नई सुपर किंग के बीच चल रहे 20-20 क्रिकेट मैच पर मिस्तियों का मोहल्ला तोपखाना हुजुरी रामगंज जयपुर में दबिस देकर मुल्जिम शकील अहमद के द्वारा रूम के अन्दर क्रिकेट सटटा उपकरण 4 मोबाईल फोन जिन पर सटटे का मैच चलता हुआ तथा मोबाईल फोन पर सटटे की खाईवाली का भाव तथा 2 मोबाईल फोन में खाईवाली लगाईवाली जूम एप पर खाईवाली तथा लेपटोप पर ग्राहको द्वारा खाईवाली की रकम लगाई की सूची व रजिस्टर व सटटा रकम 5500 रूप्ये मिले।

इस प्रकार मुल्जिम शकील अहमद द्वारा उक्त उपकरणो के माध्यम से किकेट मैच के सटटा पर स्वयं को लाभ व दूसरो को धोखाधडी पूर्वक हानी पहुंचाना पाये जाने पर मुल्जिम के कब्जे से अपराध धारा 318 (4) बीएनएस व 3/4 आरपीजीओ एक्ट का पाये जाने पर थाना रामगंज जयपुर मे मुकदमा नम्बर 158/2026 धारा 318(4) बीएनएस व 3/4 आरपीजीओ में दर्ज कर अनुसंधान श्रीमती रेखा उनि के जुम्मे किया। मुल्जिम द्वारा हजारो रूपयो का सटटा की खाईवाली करना पाया गया है। जिसके संबंध में मुल्जिम से अपने अन्य सहयोगी साथियो के संबंध में अनुसंधान जारी है।

मोदी की गारंटी है शून्य – सागर मंच से अभिषेक बनर्जी ने भाजपा पर साधा निशाना

रमेश राय` गंगासागर दक्षिण 24 परगना के सागर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी माहौल तेजी से गर्म होता जा रहा है। इसी बीच तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने छयेरघेरी कालीगिर मैदान में एक विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित किया। यह सभा तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी बंकिमचंद्र हाजरा के समर्थन में आयोजित की गई थी।

सभा में हजारों कार्यकर्ता, समर्थक और आम नागरिक उपस्थित रहे। अभिषेक बनर्जी ने मंच से एक ओर राज्य में हुए विकास कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, तो दूसरी ओर भाजपा और केंद्र सरकार पर तीखे वार किए। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी शून्य है और जनता से आग्रह किया कि यदि वे बंकिम हाजरा को जिताते हैं, तो इस क्षेत्र के विकास की पूरी जिम्मेदारी वे स्वयं लेंगे। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि सागर क्षेत्र की जनता को केंद्र से कोई उम्मीद नहीं रखनी चाहिए, क्योंकि भाजपा सरकार ने बंगाल को बार-बार उपेक्षित किया है। सागर विधानसभा सीट पर तृणमूल कांग्रेस पूरे दमखम के साथ चुनावी मैदान में उतरी है और इस जनसभा ने पार्टी के कार्यकर्ताओं में नया जोश भर दिया है।

जिले में 1.18 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं की आवक: डिप्टी कमिश्नर

बठिंडा, 19 अप्रैल: (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा) डिप्टी कमिश्नर बठिंडा श्री राजेश धीमान ने कहा कि जिले की सभी मंडियों में गेहूं की खरीद जारी है। गेहूं की फसल की खरीद व्यवस्था का रोजाना रिव्यू किया जा रहा है ताकि किसानों को मंडियों में कोई दिक्कत न हो। उन्होंने कहा कि अब तक जिले की अलग-अलग मंडियों में कुल 1,18,523 मीट्रिक टन फसल आ चुकी है, जिसमें से आज 44,640 मीट्रिक टन फसल आई है। अब तक कुल 87,110 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है और आज 44,139 मीट्रिक टन फसल खरीदी गई है। डिप्टी कमिश्नर ने आगे बताया कि अब तक मार्कफेड ने 19030 मीट्रिक टन, पनग्रेन ने 30,815 मीट्रिक टन, पनसप ने 17,885 मीट्रिक टन और पंजाब स्टेट वेयरहाउसिंग कॉपोरेशन ने 19,490 मीट्रिक टन फसल खरीदी है। खरीदी गई फसल का पेमेंट 48 घंटे के अंदर सीधे किसानों के अकाउंट में किया जा रहा है और फसल की लिफ्टिंग भी शुरू हो गई है। खरीद एजेंसियों ने भरोसा दिलाया है कि बारदाना काफी मात्रा में है, जिससे लिफ्टिंग की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। श्री राजेश धीमान ने कहा है कि किसान अपनी फसल को मंडियों में लाने से पहले उसे अच्छी तरह सुखा लें ताकि खरीद का काम बिना किसी रुकावट के और आसानी से हो सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मंडियों में किसानों के लिए पीने का पानी, बिजली, सफाई और दूसरी बुनियादी सुविधाओं समेत जरूरी और सही इंतजाम करने के आदेश दिए।

रघुनाथपीर धूणी पर 27-28 अप्रैल को भरेगा विशाल मेला

पाली/नाडोल। नाडोल के समीप ढालोप गांव स्थित संत शिरोमणि रघुनाथ पीर धूणी स्थल पर 27 व 28 अप्रैल 2026 को दो दिवसीय विशाल मेला एवं उद्घाटन महोत्सव आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन रघुनाथ पीर धूणी एवं मेघवाल समाज महासभा विकास न्यास ढालोप के तत्वावधान में होगा, जिसकी तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मेला संरक्षक मेघाराम परमार (ढालोप) एवं मेला संयोजक सुरेंद्र परमार (कोसेलाव) ने बताया कि मेले के दौरान परसा दीवार, प्याऊ एवं पोल का लोकार्पण भी किया जाएगा। निर्माण कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। न्यास ट्रस्ट के अध्यक्ष मुन्नालाल मेंशन ढारिया ने बताया कि :- 27 अप्रैल को दोपहर 501 से भी ज्यादा कलशों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो परचा दीवार स्थल से मंदिर तक पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि मेले को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। उसी दिन रात्रि 8 बजे से भव्य भजन संध्या का आयोजन होगा। इसमें भजन गायक सम्राट मनीष परिहार, लक्ष्मण तंवर, दुर्गेश मारवाड़ी एवं हेमराज गोयल अपनी प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम का मंच संचालन जगदीश चौहान (जोधपुर), रमेश सरेला (बारवा), रमेश सोलंकी (जुणा) एवं सुरेश रिखविया किया जाएगा। दूसरे दिन 28 अप्रैल को प्रातः 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां होंगी। रूपदास तेरा ताली फोक डांस ग्रुप (पादरला) द्वारा तेराताली, भवई, घूमर, अग्नि एवं कालबेलिया नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे। साथ ही अतिथियों एवं भामाशाहों का सम्मान भी किया जाएगा।

इस अवसर पर मेंशन मेघवाल परिवार ढारिया का विशेष योगदान रहा हैं। सोनीदेवी धर्मपत्नी स्व. वोलारामजी मेघवाल, मधुबाला (धर्मपत्नी मुन्नालाल मेघवाल), सुपुत्र पुनीत मेघवाल एवं सुपुत्री पूजा मेघवाल द्वारा वर्ष 2025-26 में लगभग 25 लाख रुपये की लागत से चांदा निर्माण करवाकर न्यास को समर्पित किया गया है। न्यास के सचिव शीतल मेघवाल ने बताया कि कुल मिलाकर लगभग 2 करोड़ रुपये की लागत से पोल, परसा दीवार एवं प्याऊ का निर्माण करवाया गया है।

आयोजकों के अनुसार मेले में देशभर से समाजबंधुओं के पहुंचने की संभावना है।

अध्यक्ष मुन्नालाल मेंशन ढारिया ने सभी समाजबंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया है।

अनंत समृद्धि का दिन है अक्षय तृतीया

रमेश सर्राफ धमोरा

अक्षय तृतीया को शादी का अबूझ मुहुर्त माना जाता हैं। क्योंकि इस दिन शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इसी कारण अक्षय तृतीया को बहुत अधिक शादियां होती हैं। अक्षय तृतीया का पर्व बसंत और ग्रीष्म के संधिकाल का महोत्सव है। इस तिथि में गंगा स्नान, पितरों का तिल व जल से तर्पण और पिंडदान भी पूर्ण विश्वास से किया जाता है जिसका फल भी अक्षय होता है। इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। क्योंकि सतयुग की समाप्ती पर त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि से हुआ है।

हमारे देश में समय-समय पर बहुत से त्यौहार मनाये जाते हैं। इसलिए हमारे देश को त्योहारों का देश भी कहते है। हिन्दू धर्मावलम्बियों के प्रमुख त्योहारों में से एक अक्षय तृतीया है जिसे हम आखा तीज भी कहते हैं। अक्षय तृतीया देश भर में हिंदुओं द्वारा मनाए जाने वाले सबसे पवित्र और शुभ दिनों में से एक है। माना जाता है कि इस दिन से जो भी कार्य इस शुरू होता है वो हमेशा पूर्ण होता है। यह त्यौहार हर वर्ष वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष के तृतीया को आता है। इस वर्ष अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को है।

अक्षय तृतीया को शादी का अबूझ मुहुर्त माना जाता हैं। क्योंकि इस दिन शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इसी कारण अक्षय तृतीया को बहुत अधिक शादियां होती हैं। अक्षय तृतीया का पर्व बसंत और ग्रीष्म के संधिकाल का महोत्सव है। इस तिथि में गंगा स्नान, पितरों का तिल व जल से तर्पण और पिंडदान भी पूर्ण विश्वास से किया जाता है जिसका फल भी अक्षय होता है। इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। क्योंकि सतयुग की समाप्ती पर त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि से हुआ है।

माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में जन्म लिया था। इसीलिये इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में मनाते हैं। मान्यता है कि आखा तीज के दिन राजा भागीरथ गंगा नदी को पृथ्वी पर लाये थे। अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु तथा उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। आखा तीज के दिन ही देवी अन्नपूर्णा का जन्म भी हुआ था। यह वह दिन था जब भगवान कृष्ण ने अपनी सारी संपत्ति और सौभाग्य अपने गरीब मित्र सुदामा को दे दिया था। अक्षय तृतीया के दिन श्रद्धेय ऋषि वेद व्यास ने महाभारत की रचना शुरू की थी। और पुराणों के अनुसार यह दिन त्रेता युग की शुरूआत का प्रतीक है। जो मानव जाति के चार युगों या युगों में से दूसरा है।

अक्षय तृतीया वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। हिंदू शास्त्रों और पुराणों के अनुसार चार युग का चक्र होता है, जिसे सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग के नाम से जाना जाता है। अक्षय तृतीया के दिन सतयुग जिसे इंसान के जीवन का सुनहरा दौर कहा जाता है वो समाप्त हो जाता है और त्रेतायुग शुरू हो जाता है। इसलिए अक्षय तृतीया को युगादि तिथि भी कहा जाता है। हिंदू परिवारों के लिए यह दिन बहुत ज्यादा महत्व रखता है।

अक्षय शब्द का अर्थ होता है कभी न मिटने या कम होने होने वाला। संस्कृत में अक्षय (अक्षय) शब्द का अर्थ समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता होता है। जबकि तृतीया का अर्थ है चंद्रमा का तीसरा चरण। इसका नाम हिंदू कैलेंडर में वैसाख के वसंत महीने के तीसरे चंद्र दिवस के नाम पर रखा गया है। इस त्योहार को हम अपनी भाषा में आखातीज नाम से भी जानते हैं। जिसका अर्थ होता है जो कभी खत्म ना होने वाला। इसलिए माना जाता है की यह दिन हमारे लिए वस्तुओं की खरीदारी का सबसे शुभ दिन माना जाता है। अक्षय शब्द का अर्थ होता है जो कभी खत्म न हो। इसी कारण इस दिन किए गए सभी अच्छे कार्यों, जैसे जप, यज्ञ, दान-पुण्य, का पुण्य कभी भी समाप्त नहीं होता। माना जाता है कि अक्षय तृतीया का दिन व्यक्ति को अनंत सुख और समृद्धि की प्राप्ति करता है। इस दिन जितने पुण्य किए जाए उतने हमें हमारे लिए कम है।

जैन धर्म में अक्षय तृतीया एक महत्वपूर्ण तिथि है जिसे दान और पुण्य कार्य करने के लिए विशेष रूप से शुभ माना जाता है। इस दिन भगवान ऋषभदेव (प्रथम तीर्थंकर) ने एक वर्ष की तपस्या के बाद गन्ने के रस से पारणा किया था इसलिए इस दिन को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता हैं। अक्षय तृतीया के दिन यूं तो आप किसी भी देवी-देवता की पूजा कर सकते हैं। लेकिन विशेष रूप से इस दिन माता लक्ष्मी, भगवान गणेश और धन के देवता कुबेर की पूजा करने का विधान है। अन्य त्योहारों की तरह इस त्यौहार में भी दीपक जलाते हैं। इस दिन किया गया परोपकार हमारे लिए जीवन को सुखी बना देता हैं। इसीलिए इस दिन लोग गरीबों को भोजन कराते हैं तथा उनकी सहायता करते हैं।

माना जाता है कि इस दिन किए गए पुण्य हमारे लिए स्वर्ग में जगह बनाते हैं। इस दिन कई लोग जागरण रखकर हवन करते हैं तथा गरीबों को दान देते हैं। कई लोग अपने नए घर में मुहूर्त के हिसाब से प्रवेश करते हैं। अक्षय तृतीया का पौराणिक महत्व भी है। मान्यता है कि इसी दिन सतयुग और त्रेता युग का आरंभ हुआ था। द्वापर युग का समापन और महाभारत युद्ध का समापन भी इसी तिथि को हुआ था। देश के अनेक हिस्सों में इस तिथि का अलग-अलग महत्व है। जैसे उड़ीसा और पंजाब में इस तिथि को किसानों की समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। तो बंगाल में इस दिन गणपति और लक्ष्मीजी की पूजा का विधान है।

इतना पवित्र पर्व होने के उपरांत भी इस दिन बड़ी संख्या में होने वाले बाल विवाह इस पर्व के महत्व को कम करते हैं। अबूझ सावा मानकर बड़ी संख्या में लोग अपने नाबालिक बच्चों की इस दिन शादी कर देते हैं। कम उम्र के बच्चों के विवाह रोकने के लिए इस दिन प्रशासन को विशेष इंतजाम करने पड़ते हैं। राजस्थान सहित कई प्रदेशों में तो अक्षय तृतीया का दिन बाल विवाह के लिए बदनाम हो चुका है। विकास के दौर में बाल विवाह एक नासूर के समान है। देश में हर व्यक्ति को शिक्षित करने की मुहिम चल रही है। हर व्यक्ति को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में बाल विवाह होना समाज के माथे पर एक कलंक के समान है।

देश में अक्षय तृतीया (आखा तीज) पर हर वर्ष हजारों की संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। तमाम प्रयासों के बावजूद हमारे देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है। भारत में बेटी-बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान के शुरू होने के बावजूद एक नाबालिग बेटी की जबर्दस्ती शादी करा दी जा रही है। बाल विवाह मनुष्य जाति के लिए एक अभिशाप है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर जगह बेटी बचावो बेटी पढ़ाओ का नारा देते हैं। देश के सभी प्रदेशों में बेटियां शिक्षित हो रही है। ऐसे में समाज को आगे आकर कम उम्र में लड़कियों के होने वाले बाल विवाह रुकवाने के प्रयास करने होंगे। ऐसे पवित्र दिन का महत्व बनाए रखने के लिए समाज को इस दिन होने वाली कुरीतियों पर रोक लगाकर एक सकारात्मक संदेश देना होगा। तभी सार्थकता बनी रह पाएगी।

संपादकीय

गिरा संविधान संशोधन बिल

जैसे कि पहले से कायस लगाए जा रहे थे, शुक्रवार को लोकसभा में संविधान में प्रस्तावित 131वां संशोधन बिल मतदान के बाद गिर गया। दरअसल, यह बिल देश में महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए लाया गया था। राजनीतिक पंडित पहले ही कह रहे थे कि संविधान संशोधन के लिये जरूरी दो तिहाई बहुमत सरकार के पास नहीं है, जिससे बिल के पारित होने पर संशय था। वैसा ही हुआ और राजग सरकार दो तिहाई वोट हासिल करने में विफल रही। बिल के समर्थन में 298 और इसके विरोध में 230 वोट पड़े। आखिरकार सरकार की ओर से कहा गया कि अब दोनों बाकी प्रस्तावित संशोधन बिलों को आगे न बढ़ाने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि महिलाओं को 33 आरक्षण देने वाले कानून में संशोधन को लेकर बुलाए गए विशेष सत्र में पिछले कुछ दिनों से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गरमागरम बहस जारी थी। विपक्ष इस संशोधन में शामिल परिसीमन को लेकर सरकार की घेराबंदी कर रहा था। दरअसल, दक्षिण भारत के उन राज्यों में इसको लेकर खासा विरोध था जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण करके आर्थिक विकास को प्राथमिकता बनाया था। उनकी आशंका थी कि परिसीमन विधेयक के अस्तित्व में आने से संसद में इन राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा। विपक्ष में का आरोप है कि संसद का विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण संशोधन बिल को पारित करने का उपक्रम महज कुछ राज्यों में हो रहे चुनाव में बढ़त हासिल करने के लिये था। ताकि महिला वोटरों को लुभाया जा सके। विपक्ष ने संसद में जारी बहस के बीच कानून मंत्रालय द्वारा महिला आरक्षण अधिनियम 2023 को लागू करने के लिये अधिसूचना जारी करने पर भी सवाल उठाये। उल्लेखनीय है कि महिला आरक्षण कानून का उद्देश्य संसद और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिये 33 फीसदी आरक्षण लागू करने का प्रावधान था। मगर राजग सरकार ने प्रस्तावित 131वें संविधान बिल 2026 में सीटों में आरक्षण को परिसीमन के आधार पर लागू करने की बात कही थी। दरअसल, विपक्ष इस संशोधन बिल की टाइमिंग और आरक्षण को परिसीमन के आधार पर लागू करने की शर्त पर सवाल उठाता रहा है। कांग्रेस पार्टी की ओर से कहा गया कि 33 फीसदी आरक्षण को लोकसभा की मौजूदा सीटों के आधार पर ही लागू करना चाहिए। विपक्ष परिसीमन से उपजी विसंगतियों और दक्षिण के राज्यों की चिंताओं को तरजीह देने की बात करता रहा है। वहीं सत्ता पक्ष की दलील रही कि विपक्ष महिला आरक्षण का विरोध कर रहा है। बिल का मकसद महिला सशक्तीकरण ही है। जिसके लिये इसके लागू करने के तरीके का विरोध किया जा रहा है। सत्ता पक्ष की दलील थी कि परिसीमन संविधान सम्मत है और बढ़ती आबादी के बाद सीटों को तार्किक बनाये जाने की जरूरत है। इस बीच दोनों पक्षों की ओर से एससी-एसटी के हितों के पैरोकार होने की दलीलें भी दी गई। सत्ता पक्ष ने विपक्ष पर उत्तर-दक्षिण का नैरेटिव गढ़ने का आरोप भी लगाया। साथ ही विपक्ष को महिलाओं के आक्रोश की कीमत चुकाने की भी चेतावनी दी। वहीं विपक्ष ने केंद्र पर देश का चुनावी नक्शा बदलने की कोशिश का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि ये संशोधन दलित व पिछड़े वर्गों के हित में नहीं है।

चिंतन-मनन

अहंकार से ज्ञान का नाश

अहंकार से मनुष्य की बुद्धि नष्ट हो जाती है। अहंकार से ज्ञान का नाश हो जाता है। अहंकार होने से मनुष्य के सब काम बिगड़ जाते हैं। भगवान कण-कण में व्याप्त है। जहाँ उसे प्रेम से पुकारो वहीं प्रकट हो जाते हैं। भगवान को पाने का उपाय केवल प्रेम ही है। भगवान किसी को सुख-दुख नहीं देता। जो जीव जैसा कर्म करेगा, वैसा उसे फल मिलता है। मनुष्य को हमेशा शुभ कार्य करते रहना चाहिए।

कभी किसी को नहीं सताओ : धर्मशास्त्र के श्रवण, अध्ययन एवं मनन करने से मानव मात्र के मन में एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भावना एवं मयार्दा का उदय होता है। हमारे धर्मग्रंथों में जीवमात्र के प्रति दुर्विचारों को पाप कहा है और जो दूसरे का हित करता है, वही सबसे बड़ा धर्म है। हमें कभी किसी को नहीं सताना चाहिए। और सर्व सुख के लिए कार्य करते रहना चाहिए।

गुप्तदान महादान : मनुष्य को दान देने के लिए प्रचार नहीं करना चाहिए, क्योंकि दान में जो भी वस्तु दी जाए, उसको गुप्त रूप से देना चाहिए। हर मनुष्य को भक्त प्रहलाद जैसी भक्ति करना चाहिए। जीवन में किसी से कुछ भी माँगो तो छोटा बनकर ही माँगो। जब तक मनुष्य जीवन में शुभ कर्म नहीं करेगा, भगवान का स्मरण नहीं करेगा, तब तक उसे सद्बुद्धि नहीं मिलेगी।

मृत्यु से कोई नहीं बच पाया : धन, मित्र, स्त्रि तथा पृथ्वी के समस्त भोग आदि तो बार-बार मिलते हैं, किन्तु मनुष्य शरीर बार-बार जीव को नहीं मिलता। अतः मनुष्य को कुछ न कुछ सत्कर्म करते रहना चाहिए। मनुष्य वही है, जिसमें विवेक, संयम, दान-शीलता, शील, दया और धर्म में प्रीति हो। संसार में सर्वमान्य यदि कोई है तो वह है मृत्यु। दुनिया में जो जन्मा है, वह एक न एक दिन अवश्य मरेगा। सृष्टि के आदिकाल से लेकर आज तक मृत्यु से कोई भी नहीं बच पाया।

महिला विधेयक बिल के पास ना होने के कई कारण

संजय गोरवामी

महिला विधेयक बिल नहीं पास हुआ दरअसल महिलाओ से ज्यादा पुरुष परेशान है क्योंकि उसे घर माता पिता और सभी का ख्याल रखना पड़ता है और स्त्री पुरुष में भेदभाव करना सही नहीं ऐ सभी दलों के लोगों ने सोचा होगा आज बंगाल में चुनाव है इसलिए ऐ बिल 2014 से अब क्यों लाया गया।

मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम है इसलिए वो पुरुष हैं जो पुरुष होते हैं उनका मन चंचल नहीं होता और में इसलिए राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है। इसलिए कि यह एक प्रमुख धार्मिक मान्यता है जो हिंदू धर्म में प्रचलित है। पुरुषोत्तम शब्द संस्कृत भाषा से लिया गया है, जिसमें पुरुष का अर्थ होता है मनुष्य और उत्तम का अर्थ होता है श्रेष्ठ या सर्वोत्कृष्ट। इस शब्द का श्री राम के लिए प्रयोग किया जाता है ताकि इससे उनकी परम गुणवत्ता और पूर्णता का संकेत दिया जा सके।श्री राम का जीवन अपने चिंतन और चरित्र से मनुष्य की संपूर्ण गरिमा को चरितार्थ करता है। मनुष्य किस स्तर तक विकसित हो कि उसमें भागवत चेतन प्रकट हो सके। इस प्रश्न का उत्तर श्रीराम के चरित्र में मिलता हैं। देवर्षि नारद ने वालमीकि से पूछा था कि संसार में गुणवान,तेजस्वी,धर्मज्ञ उपकार मानने वाला, सत्यव्रती, दृढ़ प्रतिज्ञ, सदाचार से युक्त, सबका हितैषी ,प्रियदर्शी,जितेंद्रिय,क्रोध और समस्त आवेगों पर नियंत्रण रखने वाला,कीर्तिमान और अनिंद्य कौन है। ऐसा कौन सा पुरूष है जो दूसरों को जीतने की कामना नहीं रखता और स्वयं अजेय है ? महर्षि वाल्मीकि इस प्रश्न के उत्तर में रामचरित सुनाते हैं। राम के राज्य में रमणीयता ही रमणीयता सर्वत्र नजर आती थी। प्रत्येक कार्य यज्ञ की भावना से सम्पन्न होता था। असत्य, अधर्म, अन्याय, अत्याचार, आतंक आदि आसुरी प्रवृत्तियों के लिए कहीं कोई स्थान नहीं था। पारस्परिक प्रेम,सद्भावना और सहयोग से प्रेरित होकर सभी लोग अपने-अपने कार्य अपनी-अपनी योग्यता के अनुसार करते रहते थे। प्रत्येक व्यक्ति सार्वजनिक हित की भावना से ही प्रत्येक कार्य को करने लगता था। किसी को किसी के प्रति कोई शिकायत नहीं होती थी और न किसी के मन में किसी के प्रति द्वेष था। सभी लोग राम का नाम लेकर रामराज्य का गुणगान करते हैं और हृदय से चाहते थे कि यह राज्य अनंत काल तक चलता रहे। इसीलिए राम किसी एक युग का या जग का नहीं बल्कि विश्व का है। वे शासक नहीं परिपालक हैं। राम और हिन्दुस्तान का जनमानस दोनों एक दूसरे के पर्यायवाची बन गए हैं। श्रीराम का चरित्र भारतीय संस्कृति के आदर्शवाद का उज्जवल प्रतीक बन गई है। श्री राम के चरित्र को देखकर कोई भी व्यक्ति या समूह अपना चरित सुधार सकता है। राम आदर्श गृहस्थ हैं ,वनवासी हैं ,राजा भी हैं ,नागरिक भी हैं ,स्तरीय समाज का निर्माण ही उनका उद्देश्य है। श्री राम हिंदू धर्म के एक प्रमुख अवतार माने जाते हैं, जिन्हें पुराणों और एपिक महाकाव्य रामायण में प्रमुखता से वर्णित किया गया है। उन्हें अदार्श पुरुष, धर्मात्मा, न्यायप्रिय, सामरिक कुशल, प्रेमी पति, सदभक्त, धर्म का पालन करने वाले और भक्तों के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप में माना जाता है। इसलिए श्री राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है इसलिए जब तक भगवान राम रहेंगे तब तक किसी से भेदभाव नहीं करेंगे, नर और नारी एक समान सब है प्रभु राम की संतान। इसी इस बात से समझ सकते हैं भगवान राम पुरुष के रूप में ही आखिर जन्म क्यों लिए उन्हें अन्त करना था ऐसे रावण को जो अधर्मी था और घमंड और सर्वशक्तिमान समझता था इसलिए भगवान राम को धर्म और मानवता को बचाने के लिए एक लम्बी लड़ाई रावण से लड़नी थी यदि महिला होते परिवार होता तो महिलाओ को 9 महीने तक गर्भ धारण करना पड़ता जो लड़ाई में बाधा क्या लड़ ही नहीं पाते, यह सच है कि यदि आपके देश में अचानक कोई युद्ध छेड़ देता है और उस वक़्त महिला सैनिक यदि गर्भवती हो तो युद्ध कैसे करेगी, आजकल इसी समस्या को देखते हुए सरकार ने 2 साल का चाइल्ड केयर लीव मिलता है लेकिन सेना में युद्ध की परिस्थिति में गर्भवती हो तो युद्ध में शामिल नहीं हो सकती है इसलिए नारी में ममता होता है और अपने बच्चे को सही तरीके से पालन पोषण चाहिए इसलिए बिल ना पास के इस मुद्दे को लोकसभा से चुने गए सांसद को महिला विरोधी नहीं कहा जा सकता लोकतान्त्रिक व्यवस्था ही देश की दिशा तय करती है इसपर निराश भी नहीं होने की जरुरत है आप यदि जानकार होंगे विद्वान होंगे तो आपको लोग आज शिक्षा के व्यवसाय में नौकरी से ज्यादा इनकम होगा और जब चाहे आप छुट्टी ले ले और ऑनलाइन क्लास चालू करें लेकिन एक बात का हमेशा ध्यान देना शादी के बाद अपने सास ससुर की सेवा करना इससे अच्छा संस्कार मिलेगा और चुगली शिकायत से बचेंगे क्योंकि बूढ़े लोग बेटा पर आश्रित होते हैं जब बेटा की पत्नी ही उसके माँ बाप की कद्र ना करें तो परिवार टूटेगा और संस्कार नष्ट होगा जो बहुत मुश्किल से मिलता है।

'वात्सल्य पीठ': करुणा, साधना और आत्मोन्नति का दिव्य तीर्थ

ललित गर्ग

दिल्ली जैसे महानगर की आपाधापी, भागदौड़ और संवेदनहीनता के बीच यदि कोई ऐसा स्थान निर्मित हो, जहाँ पहुंचते ही मन शांत हो जाए, आत्मा को विश्राम मिले और जीवन को एक नई दिशा का बोध हो, तो निश्चय ही वह स्थान साधारण नहीं, बल्कि दिव्यता का स्पंदित केन्द्र होता है। 'वात्सल्य पीठ' ऐसा ही एक अनुपम आध्यात्मिक तीर्थ बनकर उभरा है, जो शासनमाता साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी की स्मृतियों को संजोए हुए न केवल तेरापंथ धर्मसंघ के अनुयायियों के लिए, बल्कि समस्त मानवता के लिए शांति, साधना और आत्मिक उन्नति का केन्द्र बनने जा रहा है। 19 अप्रैल 2026 को इसके उद्घाटन का पावन अवसर केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक युगीन चेतना के जागरण एवं आध्यात्मिक अनुभवों का प्रतीक है। यह वही पावन भूमि है, जहाँ साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी ने अपने तप, त्याग और आत्म-साधना के अनेक अमूल्य क्षण व्यतीत किए एवं यह वही सिद्ध भूमि है जहां उन्होंने देह से विदेह होने की यानी निर्वाण यात्रा की है और इसी भूमि पर उनका दाह-संस्कार हुआ। आज वही भूमि 'वात्सल्य पीठ' के रूप में एक ऐसे जीवंत तीर्थ में परिवर्तित हो चुकी है, जहाँ हर कण में वात्सल्य की मधुरता और साधना की गंभीरता अनुभव की जा सकती है। यहाँ का वातावरण मानो स्वयं बोलता है, यहाँ शांति केवल शब्द नहीं, बल्कि अनुभूति है, यहाँ अध्यात्म केवल विचार नहीं, बल्कि जीवन का साक्षात स्पर्श है। इस स्थल पर पहुंचकर ऐसा लगता है कि जीवन की समस्त अशांति, व्याकुलता और तनाव धीरे-धीरे विलीन हो रहे हैं और आत्मा अपने वास्तविक स्वरूप की ओर लौट रही है।

'वात्सल्य पीठ' की संरचना और सज्जा भी अपने आप में अत्यंत अद्वितीय और आकर्षक है। इसकी वास्तुकला में आधुनिकता और आध्यात्मिकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है। खुले आकाश की ओर उन्मुख इसकी रचना, प्राकृतिक प्रकाश के लिए बनाए गए स्काईलाइट्स, स्वच्छ वायु के संचार के लिए संतुलित वेंटिलेशन, और सादगी में निहित गरिमामयी भव्यता-ये सभी तत्व इसे एक सजीव ध्यान-स्थली का रूप प्रदान करते हैं। यहाँ की प्रत्येक दीवार, प्रत्येक मार्ग और प्रत्येक कोना जैसे एक मौन संदेश देता है कि जीवन का उद्देश्य बाहरी चकाचौंध में नहीं, बल्कि आंतरिक प्रकाश की खोज में है। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का शाश्वत मंत्र यहाँ की संरचना में साकार रूप से अनुभव किया जा सकता है। इसकी सज्जा कृत्रिम आडंबर से दूर, सहज और सात्विक है, जो साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा के व्यक्तित्व की ही तरह निर्मल, शांत और प्रभावशाली प्रतीत होती है।

साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा का व्यक्तित्व अपने आप में एक विलक्षण प्रेरणा है। वे केवल एक साध्वी नहीं थीं, बल्कि वात्सल्य की मूर्ति, ज्ञान की गंगा और सृजन की सजीव सरस्वती थीं। अल्पायु में ही आचार्य तुलसी के सान्निध्य में दीक्षित होकर उन्होंने अपने जीवन को साधना, सेवा और सृजन के लिए समर्पित कर दिया। मात्र 17 वर्ष की आयु में उन्होंने जिस आध्यात्मिक पथ का वरण किया, वह आगे चलकर एक विराट साध्वी संघ के संचालन और मार्गदर्शन तक पहुँचा। लगभग सात सौ से अधिक साध्वियों के विशाल परिवार का नेतृत्व करना अपने आप में एक अद्भुत उपलब्धि है और यह तब और भी विशिष्ट हो जाता है जब उसमें अनुशासन के साथ-साथ वात्सल्य और संवेदना का संतुलन भी बना रहे। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि नारी केवल करुणा और ममता की प्रतीक नहीं, बल्कि संगठन, नेतृत्व और सृजन की भी अद्वितीय शक्ति है। उनका जीवन एक दीपशिखा की भाँति था, जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश प्रदान करती रही। उनकी वाणी में ओज, विचारों में गहराई और आचरण में ऐसी पवित्रता थी, जो हर व्यक्ति को प्रभावित और प्रेरित करती थी। वे केवल आध्यात्मिक साधना तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि साहित्य, शिक्षा और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में भी उन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने अनेक साहित्यिक कृतियों की रचना और संपादन किया तथा आचार्य तुलसी की आत्मकथा 'मेरा जीवन मेरा दर्शन' के संपादन में भी अपनी अद्वितीय प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी लेखनी में संवेदनशीलता, अभिव्यक्ति में माधुर्य और चिंतन में गहराई का अद्भुत समन्वय था। वे एक सफल साध्वी, कुशल प्रशासक, प्रभावशाली वक्ता और संवेदनशील कवयित्री के रूप में जानी जाती थीं।

'वात्सल्य पीठ' का निर्माण केवल एक स्मारक के रूप में नहीं किया गया है, बल्कि इसे एक जीवंत आध्यात्मिक केन्द्र के रूप में विकसित किया गया है। यह स्थान आने वाले समय में एक ऐसे तीर्थ के रूप में प्रतिष्ठित होगा, जहाँ न केवल श्रद्धालु, बल्कि जीवन में शांति-दिशा की खोज करने वाला प्रत्येक व्यक्ति आकर्षित होगा। यहाँ आने वाला हर व्यक्ति अपने भीतर एक नई ऊर्जा, एक नई सकारात्मकता और एक नए संकल्प का अनुभव करेगा। यह स्थान व्यक्ति को स्वयं से जोड़ता है और यही जुड़ाव उसे समाज, संस्कृति और मानवता के प्रति अपने दायित्वों का भी बोध कराता है।

शासन माता साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा का संपूर्ण जीवन वात्सल्य की ऐसी निर्मल धारा था, जिसने न केवल तेरापंथ साध्वी संघ को, बल्कि जन-जन के अंतर्मन को भी स्नेह, करुणा और आत्मीयता से आप्लावित किया। उनके व्यक्तित्व में वात्सल्य केवल एक गुण नहीं, बल्कि एक जीवंत चेतना थी, एक ऐसी करुणामयी ऊर्जा, जो हर मिलने वाले को अपनेपन के आलोक में भर देती थी। वे अनुशासन की अधिष्ठात्री होते हुए भी ममता की मूर्ति थीं, उनके सान्निध्य में कठोरता भी कोमलता में बदल जाती थी। उन्होंने सैकड़ों साध्वियों का नेतृत्व केवल व्यवस्था से नहीं, बल्कि माँ की तरह स्नेहिल संरक्षण देकर किया और यही कारण था कि उनके व्यक्तित्व में 'शासन' और 'माता' का अद्भुत संगम साकार हुआ। उनके प्रेम, संवेदना और वात्सल्य की असीम अनुकम्पा से अनगिनत जीवन स्पर्शित, परिवर्तित और आलोकित हुए। इसी वात्सल्य-रस से आप्लावित उनके जीवन की स्मृतियों को सहेजने के लिए 'वात्सल्य पीठ' नाम पूर्णतः सार्थक और उपयुक्त प्रतीत होता है, क्योंकि यह केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि उस दिव्य मातृत्व, उस अनंत करुणा और उस जीवनदायी स्नेह का प्रतीक है, जिसे साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा ने अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में जिया और जन-जन तक पहुँचाया।

आज के समय में, जब भौतिकता और प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने भीतर की शांति और संतुलन खोता जा रहा है, ऐसे में 'वात्सल्य पीठ' जैसे केन्द्र अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं। यह हमें स्मरण कराता है कि जीवन का वास्तविक सुख बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन और आत्मिक उन्नति में निहित है। साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा जी का जीवन इसी सत्य का सजीव उदाहरण है। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से यह संदेश दिया कि साधना से आत्मा का उत्थान होता है, सेवा से समाज का निर्माण होता है और सृजन से संस्कृति का संवर्धन होता है। 'वात्सल्य पीठ' इसी त्रिवेणी-साधना, सेवा और सृजन का साकार रूप है। यह स्थान न केवल अतीत की गौरवगाथा को संजोए हुए है, बल्कि भविष्य के लिए भी एक प्रेरणास्रोत है। यहाँ की हर ईंट, हर पत्थर और हर संरचना में साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी के जीवन मूल्यों की झलक दिखाई देती है। यह स्थल उनके व्यक्तित्व का प्रतिबिंब ही नहीं, बल्कि उनके विचारों और साधना का जीवंत विस्तार है।

निस्संदेह, आने वाले समय में 'वात्सल्य पीठ' एक ऐसे तीर्थ के रूप में प्रतिष्ठित होगा, जहाँ से शांति, करुणा और आध्यात्मिकता की किरणें चारों ओर फैलेगी। यह स्थान जन-जन को यह प्रेरणा देगा कि जीवन की सच्ची यात्रा बाहर नहीं, भीतर की ओर होती है, और उसी यात्रा में आत्मा को उसका वास्तविक आनंद, शांति और मुक्ति का अनुभव प्राप्त होता है। वास्तव में, 'वात्सल्य पीठ' केवल एक स्थान नहीं, बल्कि एक अनुभूति है-एक ऐसी अनुभूति, जो मन को शांत करती है, आत्मा को जागृत करती है और जीवन को सार्थक बनाती है। यहाँ आकर हर व्यक्ति यही अनुभव करेगा कि जब जीवन में वात्सल्य, करुणा और साधना का संगम होता है, तभी जीवन अपने वास्तविक अर्थ को प्राप्त करता है। यही इस दिव्य स्थल की सबसे बड़ी उपलब्धि और विशेषता है। 'वात्सल्य की छाया में जब आत्मा को विश्राम मिलेगा, तभी जीवन का हर क्षण प्रभु-स्मरण में धाम मिलेगा।'

अक्षय कुमार ने असरानी को किया याद

● '12 फिल्मों में साथ किया काम, हर बार मास्टरक्लास जैसा था'

अभिनेता अक्षय कुमार दर्शकों के लिए अपनी आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' पेश करने के लिए पूरी तैयार है। इस फिल्म में उनके साथ वामिका गब्बी, तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, मिथिला पालकर और असरानी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस बीच अक्षय कुमार ने दिवंगत अभिनेता असरानी के साथ अपने लंबे सफर को याद करते हुए एक भावुक पोस्ट साझा किया। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर असरानी के साथ ब्लैक एंड व्हाइट एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में दोनों कुर्सियों पर बैठे नजर आ रहे है और कुछ पढ़ते दिख रहे है। इस तस्वीर के साथ अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा, ''कभी-कभी एक तस्वीर सिर्फ यादों का टुकड़ा नहीं होती। एक पूरी यात्रा को समेटती है। ये तस्वीर हमारी 'भूत बंगला' की शूटिंग से है। असरानी जी के साथ ये मेरी दूसरी और आखिरी फिल्म थी।'' कुल 12 फिल्में हमने साथ की और हर एक में मैंने उनसे कुछ नया सीखा। हर बार यह एक मास्टरक्लास थी।

अक्षय कुमार ने अपने पोस्ट में बताया, ''मैंने असरानी के साथ कुल 12 फिल्मों में काम किया है। हर बार उनसे बहुत कुछ नया सीखा। हर बार मास्टरक्लास जैसा था।''

अक्षय कुमार ने असरानी की सबसे बड़ी खासियत के बारे में बात करते हुए कहा, ''जब वह परदे पर कॉमेडी करते थे, तो सब बहुत आसान लगता था। लेकिन असल में लोगों को हंसाना एक मुश्किल कला है, जिसे हर कोई नहीं कर सकता। असरानी कॉमेडी के उस्ताद थे और उनकी जगह लेना किसी के लिए आसान नहीं है।'' अक्षय कुमार ने आगे कहा, 'मेरे लिए 'भूत बंगला' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि एक भावनात्मक अनुभव है। यह मेरे लिए एक याद, एक श्रद्धांजलि और एक सम्मान है, जो मैं असरानी को देना चाहता हूं। असरानी हमेशा यादों में जिंदा रहेंगे और उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।''

असरानी का निधन अक्टूबर 2025 में 84 वर्ष की उम्र में हुआ था, लेकिन उनकी कला आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है।

नीना गुप्ता ने गजराज राव संग तस्वीर साझा कर जाहिर की दिल की बात

'फिर साथ काम करने का इंतजार'

फिल्मी दुनिया में कुछ जोड़ियां ऐसी बन जाती हैं, जिन्हें दर्शक लंबे समय तक याद रखते हैं। ऐसी ही एक जोड़ी है, अनुभवी अभिनेत्री नीना गुप्ता और अभिनेता गजराज राव की। इस कड़ी में नीना गुप्ता ने एक खास तस्वीर साझा की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने अपनी दिल की बात जाहिर की, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। नीना गुप्ता द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर में दोनों कलाकार बेहद सादगी के साथ कैमरे के लिए पोज देते नजर आ रहे हैं। नीना गुप्ता ने प्रिंटेड साड़ी पहन रखी है, वहीं गजराज राव भी अपने खास स्टाइल में नजर आ रहे हैं। उन्होंने ब्लैक कलर की नेहरू जैकेट पहनी हुई है। इस तस्वीर को साझा करते हुए नीना गुप्ता ने लिखा, ''मैं गजराज राव के साथ दोबारा काम करने का इंतजार कर रही हूं।''

आयुष्मान खुराना ने एक्टर को बताया लीजेंड

रणबीर कपूर टाइम मैगजीन के 100 प्रभावशाली लोगों में शामिल

'रामायण' में राम का किरदार निभाने जा रहे अभिनेता रणबीर कपूर के नाम एक खास उपलब्धि जुड़ी है। रणबीर 2026 के टाइम मैग्जीन के 100 सबसे प्रभावशाली हस्तियों में शामिल हैं। जानिए रणबीर के लिए मैग्जीन की ओर से क्या कहा गया...

टाइम मैग्जीन ने 2026 के 100 सबसे प्रभावशाली हस्तियों की सूची जारी की है। इस प्रतिष्ठित सूची में बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर का भी नाम शामिल है। रणबीर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। रणबीर के अलावा लिस्ट में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और शेफ विकास खन्ना का भी नाम शामिल है।

आयुष्मान खुराना ने लिखा रणबीर के लिए लेख

आज जारी हुई इस लिस्ट में वित्त, मनोरंजन, टेक्नोलॉजी, खेल, सामाजिक कार्य और शिक्षा जगत सहित विभिन्न क्षेत्रों की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हैं। हालांकि, रणबीर कपूर की ओर से अब तक इस उपलब्धि पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। फीचर में रणबीर कपूर के लिए लिखा गया लेख अभिनेता आयुष्मान खुराना ने लिखा है। इसमें आयुष्मान ने लिखा, 'कुछ अभिनेता विरासत बनाने के लिए संघर्ष करते हैं और कुछ अपनी कला से ही विरासत बन जाते हैं। रणबीर कपूर इसी श्रेणी में आते हैं। भारतीय सिनेमा जैसी इंडस्ट्री में हम अक्सर महानता को शोर-शराबे से मापते हैं, बॉक्स ऑफिस कलेक्शन, फैंस की दीवानगी, ओपनिंग वीकेंड। लेकिन कभी-कभी कोई अभिनेता कुछ ऐसा कर दिखाता है, जो शांत होते हुए भी कहीं अधिक स्थायी होता है। दर्शकों के रूप में हमारी इमोशनल शब्दावली। रणबीर यही काम अपनी फिल्मों के साथ करते आ रहे हैं।'

विश्व स्तर पर हमारे कल्चर को दिखा रहे रणबीर

अपने लेख में आयुष्मान ने आगे लिखा, 'ऐसी दुनिया में जहां अभिनय को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, रणबीर उसे अपने भीतर उतारते हैं। वो शांत संयम से हमारे कल्चर को दिखाते हैं। वो उस भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं जो अंततः खुद को सुनना सीख रहा है और अपनी सरल प्रामाणिकता से एक छाप छोड़ते हैं। वैश्विक स्तर पर रणबीर जैसे अभिनेता महत्वपूर्ण कल्चरल ब्रिज (पुल) बन जाते हैं।

वो एक ऐसे भारत का प्रतीक हैं, जो न केवल आकार में बल्कि संवेदनशीलता में भी विकसित हो रहा है। हमारा सिनेमा दुनिया को प्रभावित कर रहा है। रणबीर सिर्फ एक फिल्म स्टार नहीं हैं, बल्कि एक कहानीकार हैं जो ग्लोबल ऑडियंस से बात कर रहे हैं। उन्हें एक ऐसे पौराणिक देश की कहानियां सुना रहे हैं, जहां रामायण जैसे महाकाव्यों ने अन्य सभ्यताओं और संस्कृतियों को प्रेरित किया है।'

अरिजीत सिंह की फैन बनीं निकिता गांधी, कहा- 'उनके सफर से मैंने बहुत कुछ सीखा है'

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों में अपने बहुमुखी गायन से फैंस के दिलों में खास जगह बना चुकी निकिता गांधी ने अरिजीत सिंह के साथ कई गानों में अपनी आवाज दी है। उन्होंने हाल ही में के साथ बातचीत में बताया कि वे अरिजीत की बहुत बड़ी फैन हैं। निकिता कहती हैं, 'मैं अरिजीत की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं और मैं उनके सफर और गायकी का बहुत सम्मान करती हूं। मैं खुद भी एक बहुमुखी गायिका हूं। मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि मैंने उनके सफर से बहुत कुछ सीखा है। बेशक, इस बात का बहुत दुख है कि अभी वे नए दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन उन्होंने बहुत सारा काम किया है और इस इंडस्ट्री को अपना बहुत कुछ दिया है।' निकिता गांधी ने आगे अपने सफर को याद किया। उन्होंने बताया कि पहले फिल्मों में गाना शुरू किया, उसके बाद अपना इंडी म्यूजिक रिलीज किया। आमतौर पर लोग पहले इंडी करते हैं और फिर फिल्मों में आते हैं, लेकिन मेरा सफर उल्टा रहा। कॉलेज के दिनों में मैंने तमिल फिल्मों में गाना शुरू किया। उस समय म्यूजिक इंडस्ट्री में आने का मेरा कोई भी प्लान नहीं था, लेकिन साउथ इंडस्ट्री और फिर बॉलीवुड में मौका मिला। उसके बाद उन्होंने अपना करियर शुरू किया। निकिता कहती हैं, 'यह बहुत अलग और शानदार सफर रहा, क्योंकि मैंने कभी सिंगर बनने का सपना नहीं देखा था। इसलिए, मैंने इसे प्यार से किया और अपने करियर का पूरा मजा लिया। लाइव परफॉर्मेंस और स्टूडियो रिकॉर्डिंग के बीच अंतर पर बात करते हुए निकिता ने बताया कि दोनों अनुभव बिल्कुल अलग हैं। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। लाइव शो में दर्शकों की मिली-जुली ऊर्जा मिलती है, जो बहुत खास होती है। वह पल उसी समय का होता है और चला जाता है। हर कोई उस अनुभव को महसूस करता है। दूसरी ओर, स्टूडियो में रिकॉर्डिंग करते समय परफेक्शन पर जोर होता है। जब आप स्टूडियो में सॉन्ग रिकॉर्ड करते हैं, तो परफेक्शन के लिए तीन-चार बार टेक लेते हैं, जब तक गाना एकदम सही न हो जाए। क्योंकि यह रिकॉर्डेड चीज हमेशा के लिए रह जाती है। इसलिए इसे जितना बेहतर बना सकते हैं, उतना बेहतर बनाते हैं। इसमें समय और कड़ी मेहनत लगती है।

शूटिंग के दौरान जब

तेज लहरों के बीच फंस गई थीं लारा

कभी-कभी फिल्मी दुनिया की चमक-दमक के पीछे ऐसी कहानियां छिपी होती हैं, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह जाता है। लारा दत्ता की जिंदगी में भी कुछ ऐसा ही हुआ, जब फिल्म की शूटिंग के दौरान वह एक मुश्किल में फंस गईं, जिसमें उनकी जान जाते-जाते बची। साल 2003 में लारा दत्ता ने फिल्म 'अंदाज' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा नजर आए। पहली ही फिल्म से उन्हें काफी सराहना मिली और बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का पुरस्कार भी मिला। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान एक ऐसा हादसा हुआ, जिसने उस वक्त सभी को डरा दिया था। फिल्म के एक गाने की शूटिंग समुद्र के किनारे हो रही थी। लारा को पानी से डर लग रहा था, लेकिन शूटिंग के लिए वह लहरों के बीच गईं। अचानक एक ऊंची लहर आई और उनका संतुलन बिगड़ गया। वह पानी के साथ बहने लगीं। उस समय वहां मौजूद सभी लोग घबरा गए, लेकिन अक्षय कुमार ने बिना समय गंवाए समुद्र में छलांग लगा दी और अपनी जान की परवाह किए बिना लारा को सुरक्षित बाहर ले आए। यह घटना उनके लिए बहुत डरावनी थी, लेकिन इसी ने उनकी हिम्मत को और मजबूत किया। इसके बाद लारा दत्ता ने 'मस्ती', 'नो एंट्री', 'भागम भाग', 'पार्टनर' और 'हाउसफुल' जैसी कई फिल्मों में काम किया। समय के साथ लारा ने फिल्मों के अलावा टीवी और वेब सीरीज में भी काम किया। उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए और खुद को हर बार साबित किया।

शत्रुघ्न सिन्हा ने गुलशन ग्रोवर से जताई इच्छा; 'बैडमैन' ने दिया ये रिएक्शन

'तुम्हें होना चाहिए था रहमान डकैत'

बॉलीवुड के 'बैड मैन' कहे जाने वाले गुलशन ग्रोवर इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज 'मटका किंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस सीरीज में वो विजय वर्मा के साथ अहम भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में उन्होंने हिंदी सिनेमा में क्राइम स्टोरीज के विकास को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें अब बड़े और खूंखार विलेन के दौर की याद आती है। इस दौरान एक्टर ने 'धुरंधर' और रहमान डकैत के किरदार को लेकर भी बात की।

वक्त के साथ बदलना जरूरी है

इंडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान गुलशन ग्रोवर ने सिनेमा में क्राइम कहानियों के विकास और बदलाव को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि विकास और बदलाव हर जगह हो रहे हैं। चाहे वह कहानी कहने का तरीका हो, निर्देशन हो, अभिनय हो, सब कुछ बदलना तय है। मेरा मानना है कि जो लोग बदलाव के साथ नहीं चलते, वे भले ही आधुनिक कपड़े पहनते हों, लेकिन उनकी सोच पुरानी ही रहती है। आप कुछ बूढ़े लोगों को पेड़ के नीचे हुक्का पीते हुए और अपने जमाने की बातों का बखान करते देखते होंगे, मैं उनसे सहमत नहीं हूं। आपको लगातार बदलना होगा।

खौफनाक विलेन की हो गई कमी

खौफ पैदा करने वाले विलेन की कमी पर गुलशन ग्रोवर ने कहा कि यह क्रिएटिव कमी के बजाय सामाजिक बदलाव को दर्शाता है। मुझे नहीं लगता कि उन खलनायकों का गायब हो जाना कोई समस्या है। वे वापस आएंगे। क्योंकि फिल्ममेकर वही लिखते हैं, जो समाज में घट रहा होता है। वे वहीं से प्रेरणा लेते हैं। ऐसे किरदार आज कम दिखाई देते हैं, क्योंकि असल में उनके जैसे लोग कम ही देखने को मिलते हैं।

गुलशन गको रहमान डकैत के किरदार में देखना चाहते शत्रुघ्न सिन्हा

हाल ही में हुई एक मुलाकात को याद करते हुए गुलशन ग्रोवर ने एक किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले शत्रुघ्न सिन्हा, राकेश रोशन और शशि रंजन हम सब डिनर कर रहे थे। मैं देर से पहुंचा तो शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, 'मैंने धुरंधर देखी। गुलशन वो एक ऐसी फिल्म थी जिसमें आपको होना चाहिए था।' शत्रुघ्न ने ये भी कहा कि अगर मैंने अक्षय खन्ना का रहमान डकैत का किरदार निभाया होता तो कितना अच्छा होता। तो मैंने कहा, 'मैं भी इससे सहमत हूं। जनता भी सहमत है।'

भू-राजनीतिक तनाव और तेज रिकवरी से शेयर बाजार का सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा रहा

- भू-राजनीतिक तनाव और अनिश्चितता के असर से सेंसेक्स और निफ्टी में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया

मुंबई।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने भू-राजनीतिक तनाव और बदलती वैश्विक उम्मीदों के बीच एक रोलर-कोस्टर यात्रा की। अमेरिका-ईरान वार्ता की विफलता से शुरू हुई भारी गिरावट ने निवेशकों को हिला दिया, लेकिन सप्ताह के मध्य में शांति वार्ता की नई उम्मीदों ने बाजार को जोरदार वापसी करने का मौका दिया। हालांकि, मुनाफावसूली और अस्थिरता ने सप्ताह के बाकी दिनों में अपनी छाप छोड़ी, जिससे यह एक घटनापूर्ण और अप्रत्याशित कारोबारी सप्ताह साबित हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को अमेरिकी-ईरान वार्ता की विफलता की खबर के साथ हुई, जिसने वैश्विक बाजारों के साथ-साथ घरेलू शेयर बाजार को भी भारी झटका दिया। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1,600 अंक तक गिरकर 75,939 के निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 23,600 के नीचे आ गया। बैंकिंग और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में आइशर मोटर्स और मारुति के शेयरों में 5 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। दिन के अंत तक, सेंसेक्स 703 अंक की गिरावट के साथ 77,882.59 पर बंद हुआ और रुपया डॉलर के मुकाबले 56 पैसे कमजोर होकर 93.39 पर आ गया। बाजार की अस्थिरता का सूचकांक वीआईएक्स 13 फीसदी से अधिक बढ़कर 21 के ऊपर पहुंच गया, जो निवेशकों में बढ़ती घबराहट को दर्शाता है। मंगलवार को डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती के कारण बाजार बंद रहा, जिसने निवेशकों को भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को पचाने का समय दिया। एक दिन की छुट्टी के बाद बुधवार को बाजार में जोरदार वापसी देखने को मिली। ईरान-अमेरिका के बीच शांति वार्ता की नई उम्मीदों समेत कई अन्य कारकों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। सेंसेक्स 1,350 अंक से अधिक की तेजी के साथ खुला और अंततः 1,263.67 अंक बढ़कर 78,111.24 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 भी लगभग 388.65 अंक की छलांग लगाकर 24,231.30 पर पहुंच गया। इस उछाल से बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि हुई, जो लगभग 458 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। बैंक और रियल्टी इंडेक्स में 2 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया। हालांकि, यह तेजी ज्यादा देर तक कायम नहीं रह पाई। गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार में दिन भर बड़ा उतार-चढ़ाव देखा गया। बाजार खुलने के बाद मजबूती दिखी, लेकिन उच्च स्तर पर मुनाफावसूली हावी हो गई। सेंसेक्स दिन के उच्चतम स्तर से 800 अंक से अधिक गिर गया और अंततः 122.56 अंक की मामूली गिरावट के साथ 77,988.68 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 24,200 से नीचे आ गया। एयरटेल और एचडीएफसी बैंक जैसे प्रमुख शेयरों पर दबाव दिखा। सत्र के दौरान सेंसेक्स में 1,055 अंकों से अधिक का उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया, जिसने बाजार की अनिश्चितता को उजागर किया। ओएनजीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में दो प्रतिशत की गिरावट आई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन, शुक्रवार को बाजार ने सुस्त शुरुआत की, लेकिन अंततः हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा। एशियाई बाजारों में नरमी और कच्चे तेल के भाव में स्थिरता के बावजूद, घरेलू बेंचमार्क सूचकांकों ने वापसी की। सेंसेक्स 504.86 अंक बढ़कर 78,493.54 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 156.80 अंक बढ़कर 24,353.55 पर पहुंच गया। कुल मिलाकर यह सप्ताह वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के प्रति भारतीय बाजार की संवेदनशीलता और उसकी अंतर्निहित लचीलेपन दोनों को दर्शाता है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति को परमाणु ऊर्जा आयोग से मिली मंजूरी

- 2047 तक 100 गीगावाट लक्ष्य के लिए 20 लाख करोड़ की जरूरत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने अपने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हाल ही में एक कार्यशाला में घोषणा की गई कि प्रस्तावित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति को परमाणु ऊर्जा आयोग ने मंजूरी दे दी है और इसे अंतर-मंत्रालयी परामर्श के लिए भेजा गया है। यह पहल शांति अधिनियम 2025 के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य देश के महत्वाकांक्षी परमाणु ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक विशाल वित्तीय संसाधनों को जुटाना है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में परमाणु ऊर्जा विभाग की सदस्य (वित्त) सीमा जैन ने बताया कि एफडीआई पहल की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने क्षेत्र में धन की निरंतर आवक सुनिश्चित करने के लिए एक नए वित्तपोषण मॉडल की आवश्यकता पर जोर दिया। जैन ने अनुमान लगाया कि यदि 22 करोड़ रुपए प्रति मेगावाट के मानक आधार को लिया जाए, तो 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य तक पहुँचने के लिए लगभग 20 लाख करोड़ रुपए की विशाल पूंजी की आवश्यकता होगी। उन्होंने यह भी बताया कि फ्लीट मोड विस्तार या एक ही साइट पर कई रिएक्टरों की स्थापना से समग्र अनुमोदन चक्र और संयंत्र स्थापना में लगने वाले समय में कमी आएगी। हालांकि, एनटीपीसी के एक अे धिकारी ने निजी क्षेत्र और राज्य सरकारों की ओर से अपेक्षित उत्साह की कमी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विधेयक पारित होने के बाद भी निजी क्षेत्र से उतनी रुचि नहीं देखी जा रही है, जितनी की उम्मीद थी। केंद्र सरकार के हर राज्य में कम से कम एक परमाणु संयंत्र स्थल की पहचान करने के निर्देश का हवाला देते हुए, उन्होंने बताया कि वर्तमान में केवल लगभग 14 राज्यों के साथ काम चल रहा है और स्वीकृति दर उतनी अधिक नहीं है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद ने परमाणु क्षमता वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए परियोजना समय-सीमा और टैरिफ में कटौती की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नए संयंत्रों के लिए वर्तमान शुल्क 5.50 से 6.50 रुपए प्रति यूनिट की सीमा में हैं, जिन्हें अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने की आवश्यकता है।

अवाडा इलेक्ट्रो को आईपीओ के लिए सेबी से मिली मंजूरी

नई दिल्ली ।

ब्रुकफील्ड समर्थित अवाडा ग्रुप की सौर विनिर्माण इकाई अवाडा इलेक्ट्रो को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये अनुमानित 9,000 से 10,000 करोड़ रुपए जुटाने के लिए सेबी से मंजूरी प्राप्त हो गई है। नियामक की सूचना के अनुसार इन तीनों कंपनियों को 15 अप्रैल से 17 अप्रैल के बीच नियामक की टिप्पियां मिलीं। सेबी की शब्दावली में टिप्पणी जारी करने का अर्थ सार्वजनिक निर्गम लाने की अनुमति देना है। अवाडा इलेक्ट्रो ने अक्टूबर में गोपनीय मार्ग से सेबी के पास अपने दस्तावेज जमा किए थे। इस घटनाक्रम से परिचित लोगों के अनुसार कंपनी 9,000 से 10,000 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रख रही है, जिससे इसका मूल्यांकन 1.10 लाख करोड़ रुपए से 1.3 लाख करोड़ रुपए के बीच हो सकता है। अवाडा इलेक्ट्रो के अलावा कपड़ा कंपनी सोनासेलेक्शन इंडिया और चेन्नई स्थित ग्रैंड हाउसिंग को भी आईपीओ लाने के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है।

अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने की छूट एक माह और बढ़ाई, भारत को राहत

- पहले अमेरिकी वित्त मंत्री ने छूट खत्म करने की बात कही थी

नई दिल्ली । अमेरिका ने भारत समेत कई अन्य देशों को रूसी तेल और पेट्रोलियम उत्पाद खरीदने पर दी गई प्रतिबंधों से छूट को एक महीने के लिए बढ़ा दिया है। यह फैसला तब आया है, जब कुछ ही दिन पहले उसने इस विशेष राहत को आगे न बढ़ाने का संकेत दिया था, जिससे एक बड़ा यू-टर्न देखने को मिला है। यह छूट 16 मई तक लागू रहेगी, बशर्ते तेल 17 अप्रैल तक समुद्र में लोड हो चुका हो। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार देर रात एक आदेश जारी कर रूसी तेल पर लगे प्रतिबंधों से छूट की अवधि को बढ़ा दिया है। यह छूट अब उन सभी शिपमेंट पर लागू होगी जो 17 अप्रैल, 2026 या उससे पहले समुद्र में मौजूद थे, और ये लेनदेन 16 मई तक पूरे किए जा सकते हैं। इससे पहले, अमेरिका ने भारत को 5 मार्च से एक महीने के लिए रूसी तेल खरीदने पर प्रतिबंधों से छूट दी थी, जबकि अन्य देशों के लिए यह छूट 11 अप्रैल को समाप्त हो गई थी। नए सामान्य लाइसेंस संख्या 134बी ने पुराने लाइसेंस 134ए की जगह ली है। इस फैसले के पीछे वैश्विक तेल कीमतों में आए भारी उछाल को मुख्य वजह माना जा रहा है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ संभावित युद्ध की शुरुआत के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। दिलचस्प बात यह है कि बुधवार को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने स्पष्ट रूप से कहा था कि अमेरिका रूसी तेल और ईरानी तेल से जुड़ी छूट की अवधि को आगे नहीं बढ़ाएगा। हालांकि, शुक्रवार को जारी आदेश ने उनके इस बयान को पलट दिया है। पिछली छूट के कारण रूस का 14 करोड़ बैरल तेल वैश्विक बाजारों तक पहुंच पाया था, जिससे कीमतों को स्थिर रखने में काफी मदद मिली थी। नवीनतम विस्तार से भारत और अन्य देशों को बढ़ती कीमतों के बीच कुछ और राहत मिलने की उम्मीद है।

लेबनान में शांति तक खुला रहेगा समुद्री मार्ग, पर माननी होगी शर्तें विदेश मंत्री अरघची

- ईरान ने समन्वित मार्ग के पालन और लेबनान में शांति की शर्त रखी

नई दिल्ली ।

ईरान ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए एक बड़ा रास्ता खोल दिया है। देश के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरघची ने ऐलान किया है कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य अब पूरी तरह से वाणिज्यिक जहाजों के लिए खोल दिया गया है। हालांकि, यह फैसला लेबनान में हुई सीजफायर के बाद लिया गया है और इसकी अवधि वहां शांति बने रहने तक सीमित रहेगी। विदेश मंत्री अरघची ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से इस महत्वपूर्ण घोषणा की जानकारी दी है, जिससे वैश्विक व्यापार, विशेषकर कच्चे तेल की आपूर्ति से जुड़े देशों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। विदेश मंत्री अरघची ने स्पष्ट किया कि यह मार्ग लेबनान में हुए युद्धविराम के बाद खोला गया है। उन्होंने कहा कि जब तक लेबनान में शांति बनी रहेगी, तब तक यह समुद्री रास्ता व्यापार के लिए खुला रहेगा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अब किसी भी देश के वाणिज्यिक जहाज को यहां से गुजरने से रोका नहीं जाएगा, बशर्ते उन्हें ईरान के पोर्ट और समुद्री संगठन द्वारा बताए गए समन्वित मार्ग का पालन करना होगा। इस कदम से खाड़ी देशों से दुनिया भर में जाने वाले कच्चे तेल और अन्य उत्पादों की आपूर्ति फिर से आसान हो जाएगी, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजारों को राहत मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान ने इस मार्ग को खोलने के साथ एक महत्वपूर्ण शर्त जोड़ी है, जो भविष्य में तनाव बढ़ने पर फिर से इस मार्ग को बंद करने की संभावना को दर्शाती है। अरघची के बयान के अनुसार, यह छूट केवल लेबनान में सीजफायर की

अवधि तक ही जारी रहेगी। इसका सीधा अर्थ है कि अगर लेबनान में दोबारा से संघर्ष शुरू होता है, तो ईरान फिर से इस रणनीतिक रास्ते पर रोक लगा सकता है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग और ऊर्जा आपूर्ति पर गहरा असर पड़ सकता है। यह फैसला ईरान की क्षेत्रीय नीति और कूटनीति का एक नया पहलू दिखाता है, जिसमें क्षेत्रीय स्थिरता को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से जोड़ा गया है।

नए लेबर कोड के असर से इन-हैंड सैलरी घटी, भविष्य सुरक्षित!

- बेसिक सैलरी हुई कुल सीटीसी का 50 फीसदी, पीएफ व ग्रेच्युटी में मिलेगा बड़ा फायदा

नई दिल्ली ।

1 अप्रैल से लागू हुए नए लेबर कोड के बाद कर्मचारियों की मासिक इन-हैंड सैलरी में कमी आ सकती है। नए नियम के अनुसार, कर्मचारियों की बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ता (डीए) अब कुल वेतन का कम से कम 50 फीसदी होना अनिवार्य है। इससे दीर्घकालिक लाभ बढ़ेंगे, भले ही तात्कालिक सैलरी कम दिखे। नए नियम के तहत किसी भी कर्मचारी का बेसिक वेतन और महंगाई भत्ता (डीए) उसकी कुल सैलरी (सीटीसी) का कम से कम 50 फीसदी होना चाहिए, जबकि शेष 50 फीसदी हिस्सा अन्य भत्तों (जैसे एचआरए, ट्रैवल आदि) में शामिल होगा। इस बदलाव के कारण, कर्मचारियों का भविष्य निधि में योगदान बढ़ जाएगा, जिससे उनकी मासिक इन-हैंड सैलरी में कमी आएगी। यह नियम उन कर्मचारियों पर लागू है जिनकी बेसिक सैलरी 15,000 रुपये से अधिक है,

कम बेसिक वाले कर्मचारियों की इन-हैंड सैलरी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उदाहरण के लिए, 50,000 रुपये मासिक सैलरी वाले कर्मचारी की इन-हैंड सैलरी में मासिक 600 रुपये तक की कमी आ सकती है। हालांकि, यह बदलाव कर्मचारियों के लिए दीर्घकालिक रूप से फायदेमंद साबित होगा। पीएफ में ज्यादा पैसा जमा होने का मतलब है कि

रिटायरमेंट के समय एक बड़ी जमा राशि मिलेगी, जिस पर बढ़ा हुआ सालाना ब्याज मिलेगा। साथ ही, बेसिक सैलरी में वृद्धि से ग्रेच्युटी की रकम भी काफी बढ़ जाएगी, जो रिटायरमेंट के बाद वित्तीय सुरक्षा प्रदान करेगी। यह कंपनियों को अलाउंस के नाम पर बेसिक सैलरी को बहुत कम रखने से भी रोकेगा।

कोयला मंत्रालय की 17 वाणिज्यिक खदानों की नीलामी शुरू

- पांच राज्यों में स्थित खदानें ऊर्जा सुरक्षा व आत्मनिर्भरता को देंगी बढ़ावा

नई दिल्ली । कोयला मंत्रालय ने घरेलू उत्पादन व ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के 15वें दौर की शुरुआत कर दी है। इसमें कुल 17 कोयला ब्लॉक नीलामी के लिए पेश किए गए हैं। इन ब्लॉकों में 11 नए और 6 पहले पेशकश वाले हैं। इनमें 1 कोकिंग व 10 गैर-कोकिंग खदानें शामिल हैं, जिनका उपयोग स्टील व बिजली जैसे उद्योगों में होगा। ये खदानें झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में स्थित हैं। मंत्रालय का यह कदम आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत देश की ऊर्जा सुरक्षा सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। वाणिज्यिक कोयला खनन को 2020 में निजी क्षेत्र के लिए खोलने के बाद से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में इन खदानों से 21 करोड़ टन कोयले का उत्पादन हुआ, जो पहली बार 20 करोड़ टन के आंकड़े को पार कर गया। यह निजी भागीदारी और सुधारों के माध्यम से कोयला क्षेत्र में बढ़ती दक्षता व आत्मनिर्भरता को दर्शाता है।

पीएम सूर्य घर योजना तपती गर्मी में भी एसी चलाएं बेफिक्र, मुफ्त बिजली का पाएं लाभ!

- मुफ्त बिजली योजना से पाएं हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली

नई दिल्ली ।

जैसे-जैसे गर्मी अपने तेवर दिखा रही है, एयर कंडीशनर (एसी) घरों की एक बुनियादी जरूरत बनता जा रहा है। लेकिन एसी चलाने के साथ ही हर महीने आने वाले भारी-भरकम बिजली बिल की चिंता अक्सर लोगों को सताती है।

अब इस समस्या का समाधान लेकर आई है केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना, जो मध्यम वर्गीय परिवारों को बिजली के भारी बिलों से मुक्ति दिलाकर गर्मी में भी एसी चलाने का अवसर दे रही है। केंद्र सरकार की यह एक बड़ी और दूरगामी पहल है जिसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को अपने घरों की छत पर सौर ऊर्जा पैनल स्थापित करने के लिए प्रेरित करना है। इस योजना का दोहरा लाभ है, आप न केवल अपनी बिजली खुद पैदा करते हैं, बल्कि हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली का आनंद भी ले सकते हैं। इससे बिजली बिल का बोझ काफी कम हो जाता है, खासकर गर्मी के महीनों में जब एसी और अन्य उपकरणों का उपयोग बढ़ जाता है। सबसे बड़ा सवाल जो लोगों के मन में होता है, वह है कि क्या सोलर पैनल से एसी चलाया जा सकता है? इसका सीधा जवाब है - बिल्कुल!

एक टन के एयर कंडीशनर को चलाने के लिए आमतौर पर 1.5 किलोवाट से 2 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल सिस्टम की आवश्यकता होती है। एक बार सही क्षमता का सिस्टम लग जाने के बाद, आप दिनभर बिना किसी चिंता के अपने एसी का लुत्फ उठा सकते हैं,

वो भी मुफ्त बिजली से। जेब पर नहीं पड़ेगा बोझ: भारी सब्सिडी का लाभ सोलर पैनल लगवाना अब महंगा सौदा नहीं रहा,

क्योंकि सरकार इस योजना के तहत भारी सब्सिडी प्रदान कर रही है। सोलर सिस्टम की कुल लागत का 40 से 60 फीसदी तक का हिस्सा केंद्र सरकार वहन करती है। पैनल स्थापित होने और सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सब्सिडी की राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में जमा कर दी जाती है, जिससे जेब पर पड़ने वाला शुरुआती बोझ काफी कम हो जाता है।

यह योजना पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक बचत का भी एक बड़ा माध्यम बन रही है।

सरकार ने ओसीआई नियम बदले, 6 महीने रहने की शर्त खत्म, प्रक्रिया हुई डिजिटल

- आवेदन हुआ सरल और डिजिटल; बच्चों व जीवनसाथियों के लिए भी सुविधा

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने विदेशी भारतीय नागरिकता (ओसीआई) कार्ड धारकों और इसके लिए आवेदन करने वाले प्रवासी भारतीयों के लिए नियमों में बड़े बदलाव किए हैं।

1 अप्रैल 2026 से प्रभावी ये नए नियम ओसीआई प्रक्रिया को बेहद आसान और पूरी तरह डिजिटल बना देंगे, जिससे कागजी कार्रवाई कम होगी और आवेदकों को बड़ी राहत मिलेगी। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब ओसीआई कार्ड के लिए आवेदन करने हेतु भारत में 6 महीने रहने की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है।

नए नियमों के तहत, 8 अप्रैल 2026 से विदेशी नागरिकों को ओसीआई कार्ड के लिए आवेदन करने से पहले भारत में कम से कम 6 महीने तक रहने की शर्त से मुक्ति मिल गई है। अब पात्र व्यक्ति भारत पहुंचते ही आवेदन कर सकेंगे, बशर्ते उनके पास वैध वीजा और सभी आवश्यक दस्तावेज हों। इसके साथ ही, ओसीआई कार्डधारकों के लिए अब यात्रा से पहले एक डिजिटल ई-अराइवल कार्ड ऑनलाइन प्राप्त करना अनिवार्य होगा। एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि पीआईओ कार्ड को अब यात्रा दस्तावेज के रूप में पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

सरकार ने विभिन्न ओसीआई सेवाओं के लिए नया शुल्क ढांचा भी निर्धारित किया है: भारत में नया आवेदन: 15,000 रुपए, विदेश में नया आवेदन: 275 यूएसडी। कार्ड खोने या खराब होने पर 100 यूएसडी (लगभग 8,300 रुपए)। 20 साल की उम्र के बाद जानकारी अपडेट या री-इश्यू: 25 यूएसडी (लगभग 2,100 रुपए)। देरी से पासपोर्ट अपडेट करने पर: 25 यूएसडी विलंब शुल्क। बच्चों और जीवनसाथियों के लिए भी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया गया है। अब बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र का अपोस्टिल होना आवश्यक है, लेकिन माता-पिता की सहमति से उन्हें सत्यापन के लिए बार-बार वीएफएस सेंटर नहीं जाना होगा। वहीं, यदि कोई भारतीय नागरिक या ओएीआई कार्डधारक का विदेशी जीवनसाथी है, तो पासपोर्ट रिन्यू होने पर नई फोटो और विवाह घोषणा (मैरिज डिक्लेरेशन) ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य होगा।

आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेजों में विदेशी पासपोर्ट, नागरिकता प्रमाण पत्र, पुराने भारतीय पासपोर्ट की कॉपी और भारत में रहने के पते का प्रमाण शामिल हैं।

अदाणी का मुंबई में 1 लाख करोड़ का मेगा निवेश, मोतीलाल नगर का होगा कायापलट

- हजारों परिवारों को मिलेंगे मुफ्त घर, 143 एकड़ में विकसित होगा 15 मिनट सिटी मॉडल

मुंबई।

अदाणी समूह मुंबई के गोरेगांव पश्चिम स्थित मोतीलाल नगर में एक विशाल पुनर्विकास परियोजना में 1 लाख करोड़ रुपये का भारी निवेश करने जा रहा है। यह भारत की सबसे बड़ी क्लस्टर पुनर्विकास परियोजनाओं में से एक है,

जिसका उद्देश्य क्षेत्र का कायापलट करना और हजारों परिवारों को आधुनिक आवास व सुविधाएं उपलब्ध कराना है। अदाणी समूह की रियल एस्टेट इकाई, एस्टेटव्यू डेवलपर्स, महाराष्ट्र आवास और क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) की देखरेख में इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अंजाम देगी। इस 1 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश में से, लगभग 36,000 करोड़ रुपये परियोजना के तहत पुनर्वास पर खर्च किए जाएंगे। इसके तहत, अदाणी समूह लगभग 10.5 लाख वर्ग मीटर का पुनर्वास घटक विकसित करके म्हाडा को सौंपेगा, जो महाराष्ट्र में विभिन्न आय वर्ग के लिए किफायती आवास उपलब्ध कराता है। परियोजना का शेष 17 लाख वर्ग मीटर का फ्री-सेल घटक अदाणी समूह द्वारा खुले बाजार में बेचा जाएगा, जिससे निवेश का एक बड़ा हिस्सा वित्तपोषित होगा। समूह के एक अधिकारी ने बताया कि नियोजित निवेश के लिए धन समूह के आंतरिक संसाधनों और परियोजना की बिक्री से जुटाया जाएगा। यह परियोजना 143 एकड़ में फैली हुई है, जिसमें मोतीलाल नगर 1, 2 और 3 का चरणबद्ध पुनर्विकास शामिल है। म्हाडा ने अगले सात वर्षों के भीतर परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इस पुनर्विकास से 3,702 पात्र लाभार्थियों को लगभग 1,600 वर्ग फुट कारपेट एरिया के मुफ्त आवास मिलेंगे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने निवासियों की मांग के अनुरूप, पहले की योजना में उल्लिखित निर्मित क्षेत्र के बजाय कारपेट क्षेत्र के आधार पर आवास प्रदान करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके अतिरिक्त, 328 पात्र वाणिज्यिक कब्जाधारकों को 987 वर्ग फुट का वाणिज्यिक स्थान मिलेगा, जबकि लगभग 1,600 झुग्गीवासियों को झुग्गी पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) के प्रावधानों के तहत 300 वर्ग फुट के आवास के साथ पुनर्वासित किया जाएगा। म्हाडा और अदाणी समूह का लक्ष्य मोतीलाल नगर को शहर के भीतर एक 15 मिनट सिटी के रूप में पुनर्विकसित करना है।

एलपीजी संकट होगा खत्म, भारत बिछाएगा 2,500 किमी लंबी पाइपलाइन

- गैस की ढुलाई होगी सस्ती, संकटकाल में भी सुनिश्चित होगी निर्बाध आपूर्ति

नई दिल्ली । मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक रसोई गैस (एलपीजी) और पेट्रोलियम आपूर्ति में संभावित बाधाओं के बीच, भारत सरकार ने देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने देश भर में 2,500 किलोमीटर लंबी चार नई एलपीजी पाइपलाइन बिछाने के लिए 12,500 करोड़ के एक महत्वाकांक्षी मेगा प्रोजेक्ट के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह परियोजना एलपीजी की आपूर्ति को सुरक्षित, सस्ता और अधिक विश्वसनीय बनाने का लक्ष्य रखती है। वर्तमान में एलपीजी को रिफाइनरियों से बॉटलिंग प्लांट तक ट्रकों और टैंकरों के माध्यम से ले जाया जाता है, जिसमें सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम अधिक होता है और लॉजिस्टिक्स लागत भी बढ़ जाती है। पाइपलाइन बिछने के बाद, सड़क हादसों का डर खत्म होगा, गैस की ढुलाई का खर्च कम होगा और ट्रकों से होने वाले उत्सर्जन में कमी आने से पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा। इन चार रणनीतिक पाइपलाइन मार्गों में चेरलापल्ली से नागपुर, शिक्रापुर - हुबली से गोवा, पारादीप से रायपुर और झांसी से सितारगंज शामिल हैं। ये पाइपलाइनें न केवल वितरण प्रणाली को बेहतर बनाएंगी, बल्कि भंडारण की सुविधा भी प्रदान करेंगी। युद्ध या किसी अन्य वैश्विक संकट की स्थिति में, जब विदेशी आपूर्ति बाधित हो सकती है, इन पाइपलाइनों में मौजूद गैस देश की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह पहल भारत को एलपीजी आपूर्ति में आत्मनिर्भर बनाने और उसकी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।